नई दिल्ली ■ गुरुवार 20 नवंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 232 ■ पृष्ठ 08

जनभावना टाइम्स

JBT
www.thejbt.com
निष्पक्ष और निर्भीक खबर
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 राजनीतिक कुलों में संग्राम | 07 गिल दूसरे टेस्ट के लिए गुवाहाटी जाएंगे: बीसीसीआई | परिणीति चोपड़ा ने दिखाई अपनी बेटे की पहली झलक 08

भारत जैविक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर: मोदी

कोयंबटूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत जैविक खेती का वैश्विक केन्द्र बनने की राह पर है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह देश की स्वदेशी और पारंपरिक पद्धति है। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत के बाद मोदी ने अपने यहां आगमन पर लोगों द्वारा गमछा लहराने का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था कि ''बिहार की हवा'' उनसे पहले ही तमिलनाडु में आ गई हो। तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला राजग अगले साल विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से मुकाबला करेगा।

विपक्षी गठबंधन एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से हटाने के लिए भरसक प्रयास कर रहा है। दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन 2025 और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने नौ करोड़ किसानों को सहायता देने के लिए पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी की। इस किस्त की कुल राशि 18,000 करोड़ रुपये से अधिक है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता में कमी आई है और जैविक खेती को पूरी तरह से समर्थन दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण और जैविक खेती मृदा संबंधी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने कहा कि साथ ही जैविक खेती जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी मदद करती है। प्रधानमंत्री ने जब दो छात्राओं को राष्ट्र के आर्थिक परिवर्तन के लिए उनके दृष्टिकोण की सराहना करते हुए तख्तियां लहराते देखा तो उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से इन तख्तियों को लाने को कहा और छात्राओं की सराहना की। इससे पहले प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे से कोयंबटूर जिला लघु उद्योग संघ मैदान तक लगभग दो किलोमीटर की दूरी तक रोड शो किया तथा आम नागरिक एवं पार्टी कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए सड़क के दोनों ओर खड़े थे। उनके स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये और लोगों ने प्रधानमंत्री के वाहन पर फूल बरसाए जबकि प्रधानमंत्री ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

श्री सत्य साईं बाबा की शताब्दी सार्वभौमिक प्रेम, शांति और सेवा का उत्सव : पीएम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री सत्य साईं बाबा के सम्मान में स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किए

पुट्टापर्थी (आंध्र प्रदेश)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि श्री सत्य साईं बाबा का शताब्दी वर्ष केवल एक धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि सार्वभौमिक प्रेम, शांति और सेवा की भावना का एक विराट उत्सव है। उन्होंने कहा कि श्री सत्य साईं बाबा ने अपने जीवन और कार्यों से 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भारतीय विचार को वैश्विक रूप दिया और आज भी उनकी शिक्षाएं करोड़ों लोगों की प्रेरणा बनी हुई हैं। प्रधानमंत्री मोदी यहां श्री सत्य साईं बाबा के शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने बाबा को समर्पित 100 रुपये का स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट भी जारी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा का जीवन मानवता के लिए एक संदेश था, जिसमें सेवा, प्रेम और करुणा सर्वोच्च स्थान पर थे। पुट्टापर्थी की यह पावन भूमि हमेशा से आध्यात्मिक चेतना का केंद्र रही है और यहां होना उनके लिए एक भावनात्मक अनुभव है। मोदी ने बताया कि समारोह में शामिल होने से पहले उन्हें श्री सत्य साईं बाबा की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जो उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा।

उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता की जड़ें सेवा से जुड़ी हुई हैं और यह भावना हमारे धर्म, दर्शन और परंपराओं में रची-बसी हैं। चाहे भक्ति का मार्ग हो, ज्ञान का मार्ग हो या कर्म का- हर मार्ग सेवा के मार्ग पर ही ले जाता है। इसी परंपरा को श्री सत्य साईं बाबा ने अपने संपूर्ण जीवन में जिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''बाबा का संदेश केवल आश्रमों या प्रवचनों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज के हर हिस्से में दिखाई देता है- शहरी इलाकों से लेकर आदिवासी बस्तियों तक, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक। मोदी ने बताया कि बाबा के अनुयायी मानव सेवा को ही ईश्वर की सेवा मानते हैं और यही भावना आज भी लाखों लोगों को निःस्वार्थ भाव से समाज के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने बाबा के वचनों का उल्लेख करते हुए कहा, ''मदद हमेशा करो, कभी चोट मत पहुंचाओ। ज्यादा बातें नहीं, ज्यादा काम करो।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि यही शिक्षा आज के समय में समाज को एकजुट करने की सबसे बड़ी शक्ति है।

प्रधानमंत्री ने समारोह में सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत 20 हजार बेटियों के नाम पर नए खाते खोले जाने की घोषणा का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दस वर्ष पहले केंद्र सरकार ने बेटियों की शिक्षा और सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह योजना शुरू की थी। उन्होंने कहा, ''यह योजना उन योजनाओं में से एक है, जिसमें सर्वाधिक 8.2 प्रतिशत ब्याज बेटियों को मिलता है। मोदी ने बताया कि अब तक देशभर में 4 करोड़ से अधिक बेटियों के खाते खोले जा चुके हैं और इनमें सवा तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा हो चुकी है। उन्होंने कहा कि श्री सत्य साईं परिवार द्वारा 20 हजार नए खाते खोलना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के प्रति समाज के सहयोग का सशक्त उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने वाली कई योजनाएं शुरू की गई हैं। वर्ष 2014 में केवल 25 करोड़ लोग ही सामाजिक सुरक्षा के दायरे में थे, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर लगभग 100 करोड़ हो गई है। मोदी ने कहा, ''गरीबों के कल्याण के लिए बनाई गई हमारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चर्चा हो रही है। यह भारत की बड़ी उपलब्धि है।''

उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों, वंचितों और पिछड़ों के जीवन में सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम-श्रम योगी मानधन योजना और जन-धन योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन योजनाओं ने समाज के सबसे कमजोर वर्गों को सुरक्षा कवच प्रदान किया है।

सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बैंकों में 3.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक जमा: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अब तक चार करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं और इन खातों में 3.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि जमा की जा चुकी है। श्री सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारतीय परंपरा में गायों को जीवन, समृद्धि और करुणा का प्रतीक माना जाता है क्योंकि वे इन परिवारों की वित्तीय, पोषण संबंधी और सामाजिक भलाई में मदद करती हैं। मोदी ने कहा, ''दस वर्ष पहले भारत सरकार ने बेटियों की शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए 'सुकन्या समृद्धि योजना' शुरु की थी। यह देश की उन योजनाओं में से एक है, जिसमें हमारी बेटियों को सबसे अधिक यानी 8.2 प्रतिशत ब्याज दर मिलती है। अब तक सुकन्या समृद्धि योजना के तहत चार करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं और आपको यह जानकर खुशी होगी कि इन खातों में अब तक 3.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि जमा हो चुकी है।'' गोरक्षा के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ वर्ष पहले राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत वाराणसी में लोगों को 480 से अधिक गायें प्रदान की गईं थीं। उन्होंने बताया कि वाराणसी में एक नई परंपरा शुरू की गई है जिसमें दी जा चुकी गाय से जन्मी बछिया अन्य क्षेत्र में किसानों को निशुल्क प्रदान की जाती है और इससे गायों की संख्या बढ़ रही है।

संक्षिप्त खबरें

मारा गया एक करोड़ का इनामी नक्सली थिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी

विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों के 131 जवानों की हत्या का आरोपित माओवादी नक्सली थिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी बुधवार रामपचोदवरम वन क्षेत्र में हुई गोलीबारी में ढेर हो गया। आंध्र प्रदेश इंटेलिजेंस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) महेश चंद्र लड्ढा ने इसकी पुष्टि की। एडीजी महेश चंद्र ने बताया कि आज तड़के सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच भीषण गोलीबारी में छह से सात माओवादी मारे गए। मारे गए नक्सलियों में थिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी भी है। देवजी ओडिशा-आंध्र प्रदेश बॉर्डर में सक्रिय रहा है। नक्सल संगठन ने देवजी को महासचिव नियुक्त किया था। देवजी के ऊपर बस्तर इलाके में सुरक्षा बलों के 131 से ज्यादा जवानों की हत्या का आरोप है। सरकार ने इस खूंखार नक्सली को गिरफ्तार करने के लिए एक करोड़ रुपये से ज्यादा का इनाम घोषित किया था।

ईडी ने किया रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में लालू के करीबी को गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुग्राम में घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन के एक मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के परिवार के करीबी माने जाने वाले रियल एस्टेट कारोबारी अमित कात्याल को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कात्याल को एजेंसी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने सोमवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया। गुरुग्राम की एक विशेष अदालत ने उसे छह दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। यह जांच गुरुग्राम के सेक्टर-70 में 14 एकड़ में बने 'क्रिश फ्लोरेंस एस्टेट' में फ्लैट्स को न सौंपने के आरोपों से संबंधित है। इस परियोजना का विकास कात्याल की कंपनी 'एंजल इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा किया जा रहा था।

ठाणे में 100 करोड़ रुपये का निवेश घोटाला, 9 के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे में 100 करोड़ रुपये के एक बड़े निवेश घोटाले का मामला सामने आया है। नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में नौ आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिसे अब आगे की जांच के लिए ठाणे क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता मुंबई निवासी है, जो एक निवेश दलाल को जानता था। इस दलाल और उसके गिरोह ने उद्योगों और व्यवसायों में उच्च रिटर्न देने का लालच देकर करीब 200 निवेशकों से कुल 100 करोड़ रुपये की ठगी की। जिन निवेशकों से पैसे लिए गए, उनमें मुख्य रूप से धर्मेश ठक्कर (3 लाख), भक्ति ठक्कर (3 लाख), नेहा एंटरप्राइजेज (6 लाख), हरिओम स्टेशनरी (5 लाख), हिरेल गाला (25 लाख) और किनारी गाला (5 लाख) शामिल हैं। शिकायतकर्ता ने वर्ष 2016 में एकदंत हाउसिंग नामक संस्था में चेक द्वारा 8 लाख रुपये का निवेश किया था।

नीतीश का इस्तीफा, आज लेंगे सीएम पद की शपथ

नीतीश कुमार NDA विधायक दल के नेता चुने गए, सम्राट चौधरी ने रखा प्रस्ताव

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने बुधवार को राज्यपाल को मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंपा। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायकों का समर्थन पत्र देकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। राजभवन सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने नीतीश कुमार का इस्तीफा स्वीकार करते हुए नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू की और उनसे कार्यकारी मुख्यमंत्री के रूप में पद पर बने रहने का अनुरोध किया। नीतीश भाजपा नेता सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान और रालोमो प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के साथ राज्यपाल से मिलने पहुंचे।

गठबंधन नेताओं ने राज्यपाल से आग्रह किया कि राजग के पास बहुमत का समर्थन है, इसलिए उन्हें सरकार बनाने का अवसर दिया जाए। राज्यपाल ने समर्थन पत्र स्वीकार कर आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे पहले राजग विधायक दल की बैठक में जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। विधानमंडल के सेंट्रल हाल में आयोजित बैठक में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका अनुमोदन जदयू के वरिष्ठ नेता बिजेंद्र प्रसाद यादव और लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी समेत सभी सहयोगी दलों के विधायकों ने किया। इसके साथ ही नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता औपचारिक रूप से साफ हो गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह बृहस्पतिवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें 75 वर्षीय नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इससे पहले राजग के प्रमुख घटक दलों ने बुधवार को अपने-अपने विधायक दल के नेताओं को चुना। जदयू के विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुना गया। वहीं, भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों ने वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना। जदयू की बैठक पटना स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय परिसर के 'संवाद' में आयोजित की गई, जिसमें सभी नवनिर्वाचित विधायक और पार्टी से विधान परिषद के 22 सदस्य मौजूद थे।

जदयू नेता एवं राज्य के निवर्तमान मंत्री श्रवण कुमार ने ' पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''नवनिर्वाचित विधायकों ने नीतीश कुमार को जदयू विधायक दल का नेता चुना है।'' उन्होंने बताया कि बैठक में जदयू नेता विजय चौधरी और उमेश कुशवाहा ने प्रस्ताव रखा, जिसका जदयू के वरिष्ठ नेता बिजेंद्र यादव ने समर्थन किया और बाद में इस प्रस्ताव का समर्थन जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' ने भी किया। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद नीतीश कुमार ने उपस्थित नेताओं को संबोधित करते हुए राज्य के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। पार्टी नेता श्रवण कुमार ने बताया कि जदयू प्रमुख नीतीश कुमार बृहस्पतिवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

प्रदूषण से राहत नहीं, शहर में वायु गुणवत्ता बहुत खराब

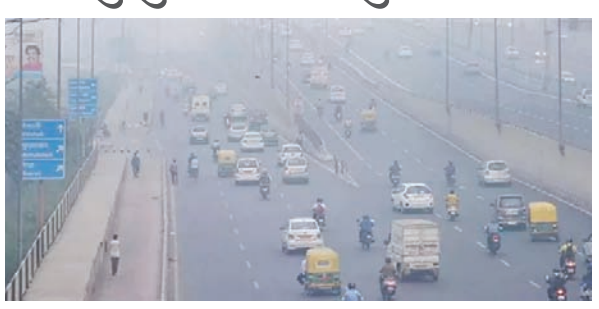

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया। इसी के साथ दिल्ली में लगातार छठे दिन वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 'समीर' ऐप के आंकड़ों से यह भी पता चला है कि 38 में से 18 निगरानी केंद्रों ने एक्यूआई का स्तर 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया है। चांदनी चौक, डीटीयू, बवाना, आनंद विहार, मुंडका, नरेला और वजीरपुर स्थित केंद्रों ने एक्यूआई 400 से ऊपर दर्ज किया है। सीपीसीबी के अनुसार, एक्यूआई 0 से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

मौसम की बात करें तो न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो औसत से 2.1 डिग्री कम है। अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 97 प्रतिशत दर्ज की गई है।

अल फलाह समूह के अध्यक्ष सिद्दीकी के पास भारत से भागने के कई कारण हैं: ईडी

अल फलाह समूह के चेयरमैन जवाद सिद्दीकी को 13 दिन की ईडी हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी को 13 दिनों के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। वही, एजेंसी ने अदालत को बताया कि सिद्दीकी के पास भारत से भागने के कई ''कारण'' हैं क्योंकि उसके परिवार के करीबी सदस्य खाड़ी देशों में बसे हुए हैं।

सिद्दीकी को संघीय जांच एजेंसी ने मंगलवार रात फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय समूह के खिलाफ दिनभर की छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था। यह विश्वविद्यालय 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए विस्फोट की जांच के केंद्र में है, जिसमें 15 लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे। ईडी ने अदालत को बताया कि सिद्दीकी ने अपने ट्रस्ट द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों के साथ ''बेईमानी'' से कम से कम 415 करोड़ रुपये की आय अर्जित की। सिद्दीकी को मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान के आवास पर पेश किया गया। कार्यवाही रात करीब एक बजे तक चली। एजेंसी ने हिरासत में पूछताछ के लिए सिद्दीकी की 14 दिन की रिमांड मांगी।

अदालत ने उसे एक दिसंबर तक 13 दिन की ईडी की हिरासत में भेज दिया। न्यायाधीश ने कहा, ''दलीलों पर ध्यानपूर्वक विचार करने के बाद मेरी राय है कि पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) की धारा 19 के तहत पूरी तरह अनुपालन किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''अपराध की गंभीरता और जांच के प्रारंभिक चरण को देखते हुए, मैं यह उचित समझती हूं कि आरोपी को 13 दिन की अवधि के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया जाए।'' विश्वविद्यालय की भूमिका एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान सामने आई, जिसमें तीन डॉक्टरों सहित 10 लोगों को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

विश्वविद्यालय-सह-अस्पताल के एक डॉक्टर उमर नबी पर आरोप है कि उसने 10 नवंबर को विस्फोटकों से लदी एक कार चलाते हुए आत्मघाती हमलावर की भूमिका निभाई थी, जिसमें लाल किले के पास विस्फोट हुआ था। एजेंसी ने अदालत को बताया कि सिद्दीकी के निर्देशन में विश्वविद्यालय और उसके नियंत्रक ट्रस्ट ने झूठे मान्यता दावों के आधार पर छात्रों और अभिभावकों को धन देने के लिए प्रेरित करके 415.10 करोड़ रुपये की आपराधिक आय अर्जित की।

अमेरिका से प्रत्यर्पित करके लाये गए अनमोल को 11 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली। अमेरिका से प्रत्यर्पित करके भारत लाये गए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार करके दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। एनआईए ने 15 दिनों की हिरासत मांगी, लेकिन एडिशनल सेशन जज प्रशांत शर्मा ने अनमोल बिश्नोई को 11 दिनों की एनआईए हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

एनआईए के मुताबिक अनमोल बिश्नोई महाराष्ट्र के एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या का आरोपित है। अनमोल ने अमेरिका की एक अदालत में शरण देने की मांग की थी, लेकिन उसकी यह मांग अस्वीकार कर दी गई। उसके बाद अनमोल बिश्नोई को डिपोर्ट करके बुधवार को दिल्ली लाया गया था, जहां एयरपोर्ट से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एनआईए के वकील राहुल त्यागी ने कोर्ट से अनमोल बिश्नोई की 15 दिनों की हिरासत की मांग की थी। अनमोल बिश्नोई को जनवरी में भगोड़ा घोषित करार दिया गया था। अनमोल बिश्नोई के खिलाफ देश भर में 22 मामले लंबित है।

जांच एजेंसियां पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की मई, 2022 में हुई हत्या के मामले में भी अनमोल बिश्नोई के खिलाफ जांच कर रही हैं। सिद्धू मूसे वाला की हत्या के बाद अनमोल बिश्नोई 2022 में ही फर्जी पासपोर्ट के आधार पर अमेरिका भाग गया था। अनमोल बिश्नोई पर आरोप है कि वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में फिरौती वसूली के सिंडिकेट चलाने का काम करता है।

एसटीएफ ने फर्जी रॉ अधिकारी को दबोचा

आरोपी से एसटीएफ भारी मात्रा में बरामद किये फर्जी दस्तावेज

नोएडा। उत्तर प्रदेश विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने आज तड़के एक फर्जी रॉ अधिकारी को गिरफ्तार किया है। यह कहीं पर खुद को रॉ अधिकारी तो कहीं पर खुद को आर्मी का मेजर बताकर रहता था। इसने खुद को रॉ अधिकारी बताकर एक महिला जज से शादी की है। पत्नी बिहार के छपरा में तैनात हैं। आरोपित एक कंपनी बनाकर उसमें फर्जी तरीके से हैवी ट्रांजैक्शन करके, कंपनी के वर्थ को बढ़ाकर उसका शेयर मार्केट में जारी कर लोगों से ठगी करने की योजना बना रहा था।

कंपनी से संबंधित दस्तावेज भी एसटीएफ ने बरामद किया है। इसके पास से भारी मात्रा में फर्जी आईडी, चेक बुक, फर्जी पुलिस वेरिफिकेशन पत्र, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, पैन कार्ड ,आधार कार्ड, वोटर आई कार्ड आदि बरामद हुआ है। एसटीएफ और गुप्तचर एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी इससे गहनता से पूछताछ कर रहे हैं। इसके टैब में दिल्ली ब्लास्ट से संबंधित वीडियो भी अपलोड है। अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ (नोएडा यूनिट) राजकुमार मिश्रा ने बताया कि बीती रात उप निरीक्षक अक्षय परमवीर कुमार त्यागी और उनकी टीम को

सूचना मिली कि एक व्यक्ति जो कि कभी स्वयं को मेजर अमित तथा कभी खुद को डायरेक्टर रॉ बताकर अलग-अलग सोसाइटी में रहता है। वह संदिग्ध है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट की वजह से इस सूचना को गंभीरता से लिया गया। एक टीम बनाकर पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी ग्रेटर नोएडा में छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि जब टीम सोसाइटी के उस फ्लैट में पहुंची जहां पर कथित रॉ अधिकारी रहता था तो दरवाजा एक महिला ने खोला। इसी बीच एक व्यक्ति वहां पर आ गया। उसने अपना नाम सुमित कुमार पुत्र स्वर्गीय बृजनंदन शाह बताया।

उसके हाथ में पकड़े हुए पर्स की तलाशी ली गई तो उसमें एक आई कार्ड कैबिनेट सेक्रेट्रिएट गवर्नमेंट ऑफ इंडिया का मिला। जिसपर सुमित कुमार आईसी 7623 बी, रैंक जॉइंट सेक्रेटरी, डेजिग्नेशन डायरेक्टर (ऑपरेशन), जेआईसी नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल, पुश्त पर सर्विस रिसर्च एंड एनेलसिस सर्विस, ब्लड ग्रुप ओ पॉजिटिव, जन्मतिथि 25 मार्च 1988, पिता का नाम बृजनंदन शाह अंकित है। उन्होंने बताया कि शक होने पर एसटीएफ ने रॉ के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। जब वे लोग मौके पर आए तो उन्होंने जांच किया। पता चला कि इस नाम का कोई भी व्यक्ति उनके विभाग में कार्यरत नहीं है। जो आई कार्ड उसके पास से बरामद हुआ है वह फर्जी है।

उन्होंने बताया कि जिस फ्लैट में उक्त व्यक्ति रह रहा था उसकी मकान मालकिन मंजू गुप्ता से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि उनके यहां किराएदार मेजर अमित कुमार हैं। उन्होंने अपना पुलिस वेरिफिकेशन दिल्ली पुलिस के डिप्टी कमिश्नर के लेटर हैड पर मेजर अमित कुमार के नाम से करवाकर उपलब्ध करवाया है। उन्होंने बताया कि मंजू गुप्ता ने उन्हें दिल्ली पुलिस द्वारा किए गए वेरिफिकेशन की कॉपी व्हाट्सएप के माध्यम से भेजी। उन्होंने बताया कि उक्त सुनीत की पत्नी कुसुम जो छपरा बिहार में न्यायिक मजिस्ट्रेट है, उनसे फोन करके जानकारी की गई तो उन्होने बताया कि उनके पति गृह मंत्रालय में कार्यरत हैं तथा गोपनीय नियुक्ति पर हैं। उन्होंने बताया कि उक्त व्यक्ति के पास से फर्जी अभिलेख बरामद हुए हैं।

उनमें मुख्य रूप से दो फर्जी आईडी, 20 चेक बुक, दिल्ली पुलिस की फर्जी वेरीफिकेशन लेटर,8 क्रेडिट/ डेबिट कार्ड, एक डायरी, 17 एग्रीमेंट, पांच पैन कार्ड, दो आधार कार्ड, तीन वोटर आईडी कार्ड, दो फार्म वोटर आईडी कार्ड, दो कंपनी संबंधित रजिस्ट्रेशन कागजात, आईटीआर के कागजात, बैंक स्टेटमेंट, तीन लैपटॉप, दो टैबलेट आदि बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त सुमित कुमार को एसटीएफ ने आज सुबह गिरफ्तार कर लिया। इसके खिलाफ थाना सूरजपुर मे भारतीय न्याय संहिता की धारा 319(2),318(4), 338, 336 (3), 340, 66 डी (सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन अधिनियम 2008, के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

भारत उत्कर्ष महायज्ञ में देशभर की झांकियों और लोकनृत्यों की धूम, दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

नोएडा। सेक्टर–110 में महर्षि महेश योगी संस्थान द्वारा आयोजित 108 कुण्डीय भारत उत्कर्ष महायज्ञ में मंगलवार का दिन हवन यज्ञ के साथ विविध संस्कृतियों, रंगों और लोकतालों से सराबोर रहा। दिल्ली-एनसीआर सहित विभिन्न राज्यों से आए हजारों लोगों ने भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक का आनंद लिया। मंच पर देश के अलग-अलग प्रदेशों के कलाकारों ने अपनी पारंपरिक लोककलाओं को जिस शालीनता और ऊर्जा के साथ प्रस्तुत किया, उसने पंडाल में मौजूद दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया।

राजस्थान के घूमर नृत्य की सरल घूमती लय, पंजाब के भंगड़ा की जोश भरी ताल, असम के बिहू की मधुर लय और महाराष्ट्र की लावणी की पारंपरिक छटा ने सांस्कृतिक संध्या को विशेष बना दिया। उत्तर प्रदेश की अवधी लोक-प्रस्तुति और दक्षिण भारत के भरतनाट्यम ने भी दर्शकों से खूब तालियाँ बटोरीं। कलाकारों की पारंपरिक पोशाकें, वाद्ययंत्रों की स्वरलहरियाँ और प्रस्तुति के दौरान दिखी "विविधता में एकता" की छवि ने इसे महायज्ञ का विशेष आकर्षण बना दिया। वहीं शाम को राघवाचार्य जी महाराज के श्रीमुख से रामकथा सुनने

आए श्रद्धालुओं में अलग ही भक्ति भाव देखने को मिला। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि भारत उत्कर्ष महायज्ञ केवल आध्यात्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और प्रसार का भी एक अनूठा मंच बन चुका है। 25 नवंबर तक प्रतिदिन विभिन्न राज्यों के कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति के गौरव को प्रदर्शित करेंगे।

महर्षि महेश योगी संस्थान अध्यक्ष अजय प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि ₹हमारा उद्देश्य केवल आध्यात्मिक शांति का संदेश देना ही नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाना भी है। हम सभी नागरिकों से आग्रह करते हैं कि वे इस अनोखे सांस्कृतिक–आध्यात्मिक उत्सव में अवश्य शामिल हों और राष्ट्रहित के इस महायज्ञ का हिस्सा बनें।"

कॉलेज के प्रोफेसर को जान से मारने की धमकी

नोएडा। थाना नॉलेज पार्क में एक कॉलेज के प्रोफेसर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक व्यक्ति उसे फोन करके जान से मारने की धमकी दे रहा है। वह खुद को एक जज का बेटा बता रहा है। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि ट्रीनीट कॉलेज नॉलेज पार्क के प्रोफेसर डॉक्टर मनोज राणा ने आज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह कैंपस के डायरेक्टर हैं। पीड़ित के अनुसार उनके फोन पर कथित रूप से रितेश नामक युवक फोन करके धमकी दे रहा है। वह उनकी हत्या करने तथा गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे रहा है। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार आरोपित खुद को एक जज का बेटा बता रहा है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला ने महिला जनसुनवाई और बच्चों का अन्नप्राशन किया

नोएडा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला ने ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के ब्लॉक बिसरख के सभागार में जनसुनवाई कर, महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों को अन्नप्राशन कराया। इस दौरान जिले में महिला कल्याण और बाल सुरक्षा से संबंधित कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों हुए।

राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, बादलपुर (दादरी) में आयोजित शक्ति संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं, अध्यापिकाओं और स्थानीय महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. मीनाक्षी भराला ने बालिकाओं को प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सुरक्षा, शिक्षा, स्वावलंबन एवं कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने महिला सुरक्षा से संबंधित महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मिशन शक्ति, वन स्टॉप सेंटर तथा अन्य सेवाओं की उपयोगिता पर विशेष प्रकाश डाला। इस दौरान उन्होंने कहा कि बालिकाओं का आत्मनिर्भर, सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जागरूकता ही सशक्तिकरण का पहला कदम है। शक्ति संवाद कार्यक्रम के बाद डॉ. भराला बिसरख ब्लॉक के सभागार पहुंचीं, जहां उन्होंने महिला जनसुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान उन्होंने महिलाओं की शिकायतें ध्यानपूर्वक सुनीं और तत्काल प्रभाव से मौजूद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए, जिससे समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण हो सके।

इस मौके पर उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म अदा की और छोटे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त पुलिस महिला सुरक्षा वैशाली गंगवार, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर, सीडीपीओ इफ्तिखार अहमद खान, जिला दिव्यांगजन अधिकारी आशीष कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक पत्रिका में छपे आलेख से आक्रोशित सपा कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

नोएडा। एक पत्रिका में छपे आलेख से आक्रोशित समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को यहां फिल्मसिटी स्थित उस पत्रिका के आफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया।

आलेख में छपा है कि गांधारी के श्राप ने मुलायम सिंह यादव के परिवार में उत्तराधिकारी युद्ध की भविष्यवाणी कैसे की इस बात को लेकर सपा के कार्यकर्ता काफी आक्रोशित हो गए। इस आलेख में एक फोटो भी लगा है, जिसमें मुलायम सिंह के दोनों हाथों को सपा परिवार के लोग खींचते हुए नजर आ रहे हैं। फोटो में एक तरफ प्रो. रामगोपाल यादव और अखिलेश यादव हैं, तो दूसरी तरफ शिवपाल यादव और अमर सिंह दिखाई दे रहे हैं।

सपा के प्रदेश सचिव राकेश यादव ने बताया कि इस आलेख से पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष दिवंगत मुलायम सिंह और सपा के बड़े नेताओं को अपमानित करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि मीडिया की कलम एकतरफा नहीं होनी चाहिए। अगर मीडिया की कलम झुक जाएगी तो लोकतंत्र में लोग अपनी आवाज कैसे उठाएंगे तथा गरीब लोगों की बात सरकार तक कैसे पहुंचेगी।

एनबीसीसी ने ग्रेटर नोएडा में 609 आवासीय इकाइयां 1,070 करोड़ रुपये में बेची

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी (इंडिया) लि. ने ई-नीलामी के जरिये ग्रेटर नोएडा पश्चिम में 1,070 करोड़ रुपये में 609 आवासीय इकाइयों की बिक्री की है। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने ई-नीलामी के माध्यम से दो परियोजनाओं 'एस्पायर लेजर वैली' और 'एस्पायर सेंचुरियन पार्क' में 609 आवासीय इकाइयां बेची हैं। इन इकाइयों का कुल बिक्री मूल्य 1,069.43 करोड़ रुपये है।

एनबीसीसी को बिक्री मूल्य के एक प्रतिशत के बराबर विपणन शुल्क मिलेगा। उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार, एनबीसीसी के माध्यम से आम्रपाली की अटकी हुई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए आम्रपाली स्टॉल्ड प्रोजेक्ट्स इन्वेस्टमेंट्स रिकंस्ट्रक्शन एस्टेब्लिशमेंट (एस्पायर) का गठन किया गया था। सरकारी स्वामित्व वाली इस कंपनी को 38,000 फ्लैट पूरे करके घर खरीदारों को सौंपने के लिए कहा गया था। इन फ्लैट को पूरा करने के लिए लगभग 8,300 करोड़ रुपये का निवेश

अनुमानित था। इस बीच, दिल्ली स्थित एयू रियल एस्टेट ने कहा कि उसने एनबीसीसी से एस्पायर लेजर वैली (चरण 2) और एस्पायर सेंचुरियन पार्क के विक्रय अधिकार हासिल कर लिए हैं। रियल एस्टेट कंपनी ने बयान में कहा, "इस सौदे का कुल मूल्य 1,069 करोड़ रुपये है, जिसमें कुल 609 आवासीय इकाइयां शामिल हैं।"

कंपनी ने एस्पायर लेजर वैली परियोजना में 462 इकाइयां 696.20 करोड़ रुपये में और एस्पायर सेंचुरियन पार्क परियोजना में 147 इकाइयां 373.23 करोड़ रुपये में खरीदी हैं।

अनियंत्रित बाइक डिवाइडर से टकराई, युवक की मौत

गौतमबुद्धनगर। जिले में थाना फेस-तृतीय क्षेत्र के परथला चौक के पास मंगलवार देर रात को एक बाइक डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में बाइक चालक घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान युवक को मृत घोषित कर दिया। थाना फेस-तृतीय के प्रभारी निरीक्षक पुनीत कुमार ने बुधवार को बताया कि सड़क हादसे में मरने वाले व्यक्ति की अभी पहचान नहीं हो सकी है। उसकी उम्र 35 वर्ष होगी। युवक अपनी बाइक लेकर नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट की तरफ जा रहे थे। देर रात 3:20 पर तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर टकरा गई। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए असपताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम भेजकर मृतक की पहचान के लिए फोटो सोशल मीडिया के माध्यम से शव की पहचान करवाने का प्रयास कर रही है।

सड़क हादसः ट्रक बाइक में टक्कर से एक की मौत

नोएडा। थाना दादरी क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि बीती रात को राजेश पुत्र गिरीश चंद्र ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मूल रूप से जनपद मैनपुरी के रहने वाले हैं। पीड़ित के अनुसार 17 नवंबर की देर रात उनका बेटा दीपक अपने दोस्त अजय के साथ मैनपुरी से मोटरसाइकिल पर सवार होकर ड्यूटी करने के लिए नोएडा जा रहे थे। पीड़ित के अनुसार जैसे ही वे लोग दादरी के टोल प्लाजा के पास पहुंचे एक ट्रक चालक ने तेजी से उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दिया। पीड़ित के अनुसार दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहां से उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेफर किया गया। पीड़ित के अनुसार बीती रात को उपचार के दौरान दीपक की मौत हो गई। जबकि उसके साथी की हालत नाजुक बनी हुई है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मानसिक तनाव के चलते युवक ने खाया जहर, हालत गंभीर

नोएडा। थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के निठारी गांव में रहने वाले एक युवक ने मानसिक तनाव के चलते बीती रात को जहरीला पदार्थ खा लिया। अत्यंत गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहां से उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है। थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि इंद्रजीत पासवान पुत्र आनंद पासवान उम्र 24 वर्ष ने बीती रात को निठारी गांव स्थित अपने घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। उन्होंने बताया कि अत्यंत गंभीर हालत में उसके परिजनों ने उपचार के लिए उसे नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए आज सुबह को जिला अस्पताल से उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि उसकी हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है।

अधिवक्ताओं का बार एसोसिएशन चुनाव समय पर कराने की मांग पर धरना जारी

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर कोर्ट परिसर में जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन का चुनाव समय पर कराने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं का बुधवार को भी कोर्ट परिसर में धरना-प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि 20 नवंबर को सुबह 10.30 बजे अधिवक्ता चौक पर सभी अधिवक्ता एकत्र होंगे और बार की कार्यकारिणी का पुतला फूंक कर गली नंबर-1 से लेकर गली नंबर-23 तक अधिवक्ताओं से जनसम्पर्क कर धरना स्थल की तरफ प्रस्थान करेंगे।

बार चुनाव की मांग को लेकर धरनारत वकीलों का कहना है कि जब तक कार्यकारिणी समय से चुनाव की घोषणा नहीं करती है तब तक धरना जारी रहेगा। धरनारत

वकीलों ने बताया कि बार के वर्तमान कनिष्ठ उपाध्यक्ष देवेन्द्र खारी एड. ने कार्यकारिणी द्वारा समय से चुनाव न कराने के विरोध में अपने पद से त्याग पत्र दे दिया है।

धरना स्थल पर मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष एड. उमेश भाटी देवटा, पूर्व अध्यक्ष एड. मनोज भाटी (बोडाकी), पूर्व सचिव एड. डॉ. देव भाटी, पूर्व सचिव ललित शर्मा, पूर्व सचिव एड. प्रमोद सुनपुरा, पूर्व सचिव एड. सरदार सिंह बंसल, पूर्व सचिव एड ऋषि टाईगर, पूर्व सचिव एड. नीरज सिंह तंवर, पूर्व सचिव धीरेन्द्र भाटी, वरिष्ठ अधिवक्ता शिखर ठकराल, एड. भूपेन्द्र मंगल, एड. दीपक नागर सादुल्लापुर, एड. सुरेन्द्र वैसोया. एड. कृष्ण शिशौदिया, एड. जितेन्द्र चौहान, एड. मनजीत कुलेसरा, एड. जगतपाल भाटी, एड. शिव कुमार बैसला सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

तिहाड़ जेल में गौशाला समेत तीन पहलों का हुआ शुभारंभ

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने किया शुभारंभ, गृह मंत्री आशीष सूद रहे उपस्थित

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने तिहाड़ परिसर में बुधवार को एक नई गौशाला और तीन आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) पहलों का शुभारंभ किया। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि गौ-सेवा और संरक्षण हमारी संस्कृति, करुणा और सद्भाव के मूल्यों को और सुदृढ़ करते हैं। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए आज तिहाड़ जेल में गौशाला का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अन्य महत्वपूर्ण पहलों की भी समीक्षा की गई और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने इस दौरान यहां गौ सेवा भी की। तिहाड़ जेल के प्रवक्ता अरविंद कुमार ने बताया कि महानिदेशक जेल एसबीके सिंह के नेतृत्व में तिहाड़ मानवता और आत्मनिर्भरता के एक आदर्श की ओर अग्रसर है, एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

ये पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित हैं और यह न केवल एक आयोजन है, बल्कि एक ऐसा आंदोलन है जो आधुनिक नवाचार के साथ भारत की समृद्ध परंपरा की शुरुआत करता है। यह तिहाड़ को शिक्षा, करुणा और पारदर्शिता के केंद्र के रूप में स्थापित करता है। तिहाड़ स्थित गौशाला, देशी गायों, विशेष रूप से साहीवाल गायों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करेगी। इससे कैदियों को जेल में रहते हुए भी अपनी आय बढ़ाने और अपने परिवार का भरण-पोषण करने में मदद मिलेगी। गौशाला उन कैदियों को गौ चिकित्सा का अवसर भी प्रदान करेगी जो अकेले हैं और जिनके परिवार या दोस्त उनसे मिलने नहीं आते। अरविंद कुमार ने बताया कि दूसरी पहल तिहाड़ बेकिंग स्कूल (तिहाड़ बेकरी) का डिजिटल एकीकरण और ओएनडीसी तथा स्माई स्टोरस प्लेटफार्म के माध्यम से तिहाड़ उत्पादों को ऑनलाइन उपलब्ध कराना है, ताकि तिहाड़ के उत्पाद घर-घर पहुंच सकें। आज उद्घाटन किया गया इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम, भोजन, दवा और अन्य आवश्यक वस्तुओं जैसी आवश्यक आपूर्ति के प्रबंधन को सुव्यवस्थित करेगा। यह इन वस्तुओं की खरीद में वास्तविक समय पर नजर रखने में सक्षम होगा। साथ ही यह पुनः ऑर्डर और खरीद के लिए अलर्ट भी जारी करेगा, जिससे प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता सुनिश्चित होगी। यह वर्तमान प्रणाली में स्मार्ट गवर्नेंस के ढांचे को मजबूत करेगा। अरविंद कुमार ने बताया कि डिजिटल इंडिया के अनुरूप आज तिहाड़ में एनजीओ के लिए एक नई वेबसाइट का उद्घाटन किया गया।

एनजीओ अब इस वेबसाइट के माध्यम से निःशुल्क पंजीकरण कर सकते हैं और अनुमोदन के बाद वे इस पर काम करना शुरू कर सकते हैं। अब एनजीओ के लिए एक साथ काम करना और अपनी गतिविधियों को वेबसाइट पर ऑनलाइन अपलोड करना आसान हो जाएगा। यह पहल एनजीओ को एक साथ लाएगी और एक सहयोगात्मक प्रयास का निर्माण करेगी जिसका लाभ कैदियों को मिलेगा।

दिल्ली: डेढ़ करोड़ की चोरी का खुलासा, दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के कृष्णा नगर इलाके में हुई करीब 1.5 करोड़ रुपये की चोरी की गुत्थी को जिले के स्पेशल स्टाफ ने सुलझा लिया है। पुलिस टीम ने इस संबंध में ताला-चाबी गैंग के दो सक्रिय सदस्यों सम्राट सिंह और समीट उर्प सुमित सिंह को गिरफ्तार किया है। इनसे सोना-चांदी के जेवरात और अन्य कीमती सामान कुल 25 लाख की बरामदगी हुई है। साथ ही चोरी के पैसों से खरीदी गई हुंडई क्रेटा कार और अपराध में इस्तेमाल एक चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बुधवार को बताया कि 12 सितंबर को कृष्णा नगर निवासी मनना लाल सुराणा ने पुलिस को शिकायत दी थी कि 11 सितंबर की रात घर बंद करके वे पत्नी के साथ बाहर गए थे। अगली दोपहर लौटने पर घर का मुख्य गेट टूटा मिला। अंदर आने पर देखा कि अलमारियों व कमरों के ताले टूटे हैं और सामान बिखरा पड़ा है। जांच करने पर करीब 1 किलो सोना, 11 किलो चांदी और हीरे-मोती के कई आभूषण चोरी मिले। पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जिले की स्पेशल को जांच में लगाया गया। टीम ने घटना स्थल से लेकर इंदौर तक 2500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी सर्विलांस लगाया और अपराधियों के पुराने तरीके वाले रिकॉर्ड खंगाले। स्थानीय सूत्रों की मदद से दो संदिग्धों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित ताला चाबी गैंग के सदस्य हैं। जो मध्य प्रदेश-गुजरात-महाराष्ट्र की सीमाओं में सक्रिय हैं। ये गिरोह ट्रेन से दिल्ली आते हैं और नई/पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के आसपास सस्ते होटलों में ठहरते हैं। दिन में ताला चाबी वाला बनकर कॉलोनियों में घूमते हैं और ऐसे घर चुनते हैं जो 2-3 दिन से बंद हों। अपराध के लिए पहले बाइक चोरी करते है। उसके बाद घर में वारदात को अंजाम देकर फरार होने से पहले उस बाइक को छोड़कर दूसरी चोरी की बाइक इस्तेमाल कर लेते हैं ताकि पुलिस को कोई सुराग न मिले।

संक्षिप्त खबरें

उत्तरी जिला पुलिस ने 1 महीने में 32 आरोपितों को किया गिरफ्तार, 5 नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। दिल्ली की उत्तरी जिला पुलिस ने इलाके में बढ़ रही लूट और झपटमारी की वारदात पर नकेल कसते हुए एक महीने की स्पेशल ड्राइव (अभियान) में बड़ी सफलता हासिल की है। 17 अक्टूबर से 16 नवंबर तक चली इस कार्रवाई में पुलिस ने 32 लुटेरों/झपटमार को गिरफ्तार किया। जबकि पांच नाबालिग को भी पकड़ा है। इस दौरान 30 ग्राम पिघला सोना, 13 मोबाइल, 6 मोटरसाइकिल, 2 स्कूटी, एक ई-रिक्शा, नकदी, चाकू और लोहे की रॉड सहित कई सामान बरामद किए गए। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बुधवार को बताया कि अभियान के दौरान जिला पुलिस ने कुल 19 मामलों का पर्दाफाश किया। इसके लिए हर थाने में अलग-अलग टीमें बनाई गईं। जिसने सीसीटीवी फुटेज, मुखबिरों, तकनीकी जांच और लगातार गश्त के आधार पर आरोपितों को चिन्हित किया। अभियान के दौरान कई महत्वपूर्ण मामलों का समाधान किया गया जिनमें कोतवाली थाने में हाथ बैग लूटकर भागे दो बदमाश, तिमारपुर में बस स्टैंड से मोबाइल झपटमारी, सब्जी मंडी में महिला से मंगलसूत्र लूटकर हमला, गुलाबी बाग, लाहौरी गेट, सिविल लाइंस, कश्मीरी गेट, सराय रोहिल्ला और सदर बाजार क्षेत्र में कई मोबाइल स्नैचिंग, बुराडी, कश्मीरी गेट और बारा हिंदू राव में चाकू दिखाकर लूट जैसी घटनाओं में आरोपित पकड़े गए।

बेटे की चाहत में बच्चे का किया अपहरण, आरोपी महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास फुटपाथ पर रहने वाली महिला के 4 महीने के मासूम बेटे को अपहरण कर ले जाने वाली महिला को दिल्ली पुलिस ने 18 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। उत्तरी जिले के कोतवाली थाना पुलिस की टीम ने तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूचना के आधार पर गाजियाबाद के लोनी देहात इलाके से आरोपित आरती (39) को पकड़ा। उसके पास से मासूम बच्चा भी सुरक्षित बरामद कर लिया गया। बच्चे को उसकी मां के सुपुर्द कर दिया गया है। उसने पुलिस टीम का आभार जताया। उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बुधवार को बताया कि मामला 17 नवंबर का है, जब 27 वर्षीय पीड़ित महिला ने शिकायत दी कि पिछले कुछ दिनों से एक महिला आरती उनके पास आती थी, बच्चों के साथ खेलती थी और खाने-पीने की चीजें देती थी। करीब 4-5 दिन पहले वह उनके चार महीने के बेटे को गोद में लेकर खेलने लगी और मौका पाकर अचानक बच्चे को लेकर गायब हो गई। शिकायतकर्ता महिला के बयान पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच के दौरान पुलिस ने आरोपित का मोबाइल नंबर जुटाया, जो बंद मिला। तकनीकी सर्विलांस के जरिए उसके फोन की आखिरी लोकेशन लोनी देहात में मिली।

दिल्ली: अपहृत शिशु को गाजियाबाद से बचाया गया

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के बाहर से चार महीने के बच्चे का अपहरण करने के आरोप में एक महिला को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पूछताछ के दौरान आरोपी महिला ने खुलासा किया कि उसकी तीन बेटियां हैं और वह एक बेटे की कामना कर रही थी। पुलिस ने बताया कि नवजात शिशु आरोपी महिला के पास पाया गया और मंगलवार को उसे बचा लिया गया। पुलिस ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर बस स्टैंड के पास फुटपाथ पर रहने वाली 27 वर्षीय महिला और बच्चे की मां ने सोमवार को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका बेटा लापता हो गया है। अधिकारी ने कहा, इनवजात की मां ने पुलिस को बताया था कि एक महिला, जिसने खुद को आरती (39) बताया, पिछले कुछ दिनों से अक्सर इलाके में आती थी, बच्चों के साथ खेलती थी और अक्सर उन्हें खाने की चीजें देती थी।इ अधिकारी ने बताया कि नवजात को आखिरी बार आरोपी महिला के साथ खेलते हुए देखा गया था। नवजात की मां के बयान के आधार पर, एक प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच की गई। एक टीम ने संदिग्ध के फोन की आखिरी सक्रिय लोकेशन गाजियाबाद के लोनी में पता लगायी। टीम इलाके में पहुंची और पूछताछ शुरू की।

सीएम रेखा गुप्ता ने साहिबी नदी के किनारे बसे क्षेत्रों का किया दौरा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को साहिबी नदी के किनारे स्थित क्षेत्रों का दौरा किया। स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को जल-भराव, साफ-सफाई और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को तत्काल सुधारने के निर्देश दिए। साहिबी नदी दिल्ली में मुख्य रूप से नजफगढ़ ड्रेन के रूप में जानी जाती है। यह हरियाणा से दिल्ली में प्रवेश करती है और दिल्ली के नजफगढ़ क्षेत्र से होते हुए वजीराबाद के पास यमुना नदी में मिल जाती है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि नदी का पानी सड़क पर भर जाने से यहां बार-बार सड़क खराब हो रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क किनारे एक मजबूत दीवार का निर्माण किया जाए ताकि पानी सड़क पर न आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में स्वच्छता और प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारी सरकार युद्धस्तर पर काम कर रही है। हर क्षेत्र की बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य निरंतर जारी हैं। उन्होंने कहा कि विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली और स्वच्छ दिल्ली, यही हमारा संकल्प है और इसी विजन के साथ विकसित दिल्ली के निर्माण में जुटे हैं। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान भाजपा सासंद प्रवीण खंडेलवाल और विधायक करनैल सिंह उपस्थित रहे।

दिल्ली मेट्रो ने बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर वर्षभर चलने वाले 'जनजातीय गौरव दिवस' समारोह का किया समापन

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने आज स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस के अपने वर्षभर चलने वाले समारोह का समापन किया। डीएमआरसी के प्रवक्ता अनुज दयाल के अनुसार डीएमआरसी ने अपने आदिवासी कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसके बाद बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्षों पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ इसमें भाग लिया। समारोह में विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। जबकि सभी प्रतिभागियों को उनकी प्रतिबद्धता और भागीदारी के सम्मान में भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। दयाल ने बताया कि पूरे वर्ष डीएमआरसी ने समारोह के हिस्से के रूप में अपने आदिवासी कर्मचारियों को समर्पित कई गतिविधियां आयोजित कीं। बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डालने के लिए एक शिक्षा एवं कौशल विकास व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनके अटूट संकल्प और मातृभूमि की रक्षा के प्रति उनके समर्पण पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान देशभर के आदिवासी बच्चों के लिए एक विशेष ट्रेन यात्रा का आयोजन किया गया। इससे उन्हें दिल्ली मेट्रो की सेवाओं का एक अनूठा अनुभव प्राप्त हुआ। इसके अलावा

डीएमआरसी ने अपने आदिवासी कर्मचारियों के बच्चों के लिए एक कला प्रतियोगिता आयोजित करके युवा पीढ़ी में रचनात्मकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया। इन पहलों ने सामूहिक रूप से बिरसा मुंडा की विरासत का सम्मान करने और अपने आदिवासी कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच समावेशिता, शिक्षा और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने के प्रति डीएमआरसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। दयाल ने कहा कि डीएमआरसी कर्मचारी विकास एवं सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देते हुए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाली पहलों में संलग्न हैं।

पुलिस ने शातिर आरोपित को दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बदरपुर थाना क्षेत्र के घोषित बदमाश (बीसी) और आदतन अपराधी दिलीप उर्फ़ दीपक उर्फ़ सोनू उर्फ़ गांजा (35) को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से चोरी की एक स्कूटी और 21 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस की क्राइम ब्रांच के उपायुक्त आदित्य गौतम ने बुधवार को बताया कि 17 नवंबर को गुप्त सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर अजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपित को तुगलकाबाद मेट्रो स्टेशन के पास दबोचा। पूछताछ में उसने अपनी पहचान और अपराधी रिकॉर्ड की पुष्टि की। पूछताछ में सामने आया कि दिलीप उर्फ गांजा के खिलाफ 31 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या के प्रयास, झपटमारी और लूट जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। आरोपित ने खुलासा किया कि वह पॉकेटमारों और झपटमारों से चोरी के मोबाइल खरीदता था और अपने नेटवर्क के माध्यम से इन्हें नेपाल और बांग्लादेश में बेचता था।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने दी रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बुधवार को झांसी की वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किए। वीरेंद्र सचदेवा ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में कहा कि मातृभूमि की सुरक्षा एवं सम्मान हेतु अपने प्राण न्योछावर करने वाली महान वीरांगना, अद्वितीय शौर्य, साहस और पराक्रम की प्रतिमूर्ति रानी लक्ष्मीबाई को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। सचदेवा ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई की असाधारण वीरता की गाथाएं भारतीय इतिहास में सदैव प्रेरणा का काम करती रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को भी गौरवान्वित करती रहेंगी। उल्लेखनीय है कि, रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर 1828 को वाराणसी में हुआ था। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ जिस वीरता से मोर्चा संभाला, वह भारतीय नारी शक्ति का सर्वोच्च प्रतीक माना जाता है। "खूब लड़ी मर्दानी, वह तो झांसी वाली रानी थी" वाली पंक्तियां आज भी लोगों की जुबान पर है।

एमसीडी ने किया 4 हजार दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों को स्थायी करने का प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह के नेतृत्व में बुधवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सदन में एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया गया। इसके तहत निगम के 4,000 से अधिक दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों को स्थायी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय हमारे सफाई कर्मियों के अमूल्य परिश्रम को सच्ची पहचान देता है। महापौर राजा इकबाल सिंह ने सदन में प्रस्ताव पेश करते हुए इसे सफाई योद्धाओं के प्रति सच्ची कृतज्ञता और न्याय का कदम बताया। उन्होंने कहा कि ये वे मेहनती हाथ हैं जिन्होंने वर्षों तक बिना किसी स्थायी सुरक्षा के दिल्ली को चमकाया है। महापौर ने कहा कि भाजपा का संकल्प हमेशा से रहा है कि कर्मठ कर्मचारियों को उनका हक मिले। यह निर्णय सिर्फ एक प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने वाला संवेदनशील कदम है।

अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़, 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अंतरराज्यीय नशा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने अफ्रीकी मूल के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर 20.146 किलो मेथाम्फेटामाइन, 700 ड्रग टैबलेट, केमिकल्स और मोबाइल ड्रग मैन्युफैक्चरिंग लैब बरामद की है। बरामद नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 100 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त आलाप पटेल ने बुधवार को बताया कि पकड़े गए आरोपितों की पहचान एजेबुएनी एस्टर ओसीटा उर्फ एला (45), चार्ल्स चिमुआन्या एबेरेऑनवू उर्फ अमोरका (32), चिनोये इमैनुएल (46) और डियारा इदरीस उर्फ व्हाइट मनी उर्फ सर व्हाइट (38) के रूप में हुई है।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार एक नवंबर को स्पेशल सेल को सूचना मिली कि दिल्ली-एनसीआर में अफ्रीकी मूल के कुछ लोग बड़े पैमाने पर ड्रग तस्करी में शामिल हैं। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रात करीब 12 बजे एस्टर ओसीटा को एक लाल ट्रॉली बैग के साथ पकड़ा गया। तलाशी में बैग से 17.146 किलो मेथाम्फेटामाइन और 700 टैबलेट (440 ग्राम) मिलीं। इस पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। पूछताछ में एला ने खुलासा किया कि वह चंदर विहार में रहने वाले अमोरका से ड्रग लेती थी और बेंगलुरु में व्हाइट मनी को सप्लाई करने जा रही थी। पांच नवंबर को चंदर विहार में छापेमारी कर चार्ल्स उर्फ अमोरका को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 3 किलो मेथ बरामद हुई। उसी दिन निलौठी एक्सटेंशन के टेक चंद कॉलोनी में एक मोबाइल ड्रग मैन्युफैक्चरिंग लैब पकड़ी गई, जहां से केमिकल्स, प्रीकर्सर, सॉल्वेंट्स और लैब उपकरण भी मिले। पुलिस उपायुक्त के अनुसार छह नवंबर को चिनोये इमैनुएल को दबोचा गया, जो अमोरका की मदद से ड्रग तैयार करता था।तकनीकी निगरानी के बाद सात नवंबर को बेंगलुरु से व्हाइट मनी को भी गिरफ्तार किया गया।

एला दिल्ली के जनकपुरी, विकासपुरी और उत्तम नगर में ड्रग प्राप्त करती थी। वह दिल्ली से मुंबई व बेंगलुरु तक ट्रेन के जरिए सप्लाई करती थी। वहीं अमोरका के देशभर में ग्राहक थे और वह कई स्कूरियर गर्ल्सस के माध्यम से ड्रग भेजता था। जबकि चिनोये इमैनुएल मोबाइल लैब में ड्रग बनाता था। वहीं पकड़ा गया व्हाइट बेंगलुरु में नेटवर्क संभालता था और अवैध चैनलों से रकम नाइजीरिया भेजता था। सभी आरोपित बिना वैध दस्तावेजों के भारत में अवैध रूप से रह रहे थे।

आदर्श डिजिटल गांव निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं एनआईटी जैसे संस्थान: राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जैसे उच्च तकनीकी शिक्षण संस्थान देश में आदर्श डिजिटल गांवों के निर्माण में अहम योगदान दे सकते हैं। ये संस्थान सरल तकनीकी समाधान विकसित कर ग्रामीण क्षेत्रों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित कर सकते हैं, लोगों को डिजिटल कौशल सिखा सकते हैं और उद्योगों के सहयोग से गांवों में बेहतर सुविधाओं के विकास को गति दे सकते हैं। राष्ट्रपति बुधवार को एनआईटी दिल्ली के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान ने देश में तकनीक को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है और इसके माध्यम से अनगिनत अवसरों के नए द्वार खुले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों तक तेज इंटरनेट, डिजिटल सेवाओं और आधुनिक तकनीकी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि हर नागरिक को समान अवसर मिल सके। राष्ट्रपति मुर्मु ने एनआईटी दिल्ली की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान ने कम समय में ही राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने बताया कि एनआईटी दिल्ली आधुनिक बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक उत्कृष्टता, बहु-विषयक शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। यह संस्थान नवाचार, उद्योगों के साथ सहयोग और कौशल आधारित सीखने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जो छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि एनआईटी दिल्ली ने छात्रों और शिक्षकों में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए स्टार्ट-अप केंद्र स्थापित किया है। यह केंद्र नवीन विचारों को दिशा देने, संसाधन उपलब्ध कराने और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने में मदद कर रहा है।

संपादकीय
आदित्य वशिष्ठ

महिला आरक्षण की बहस

बिना आर्थिक भागीदारी बढ़ाए और सामाजिक परिवेश बदले सिर्फ राजनीति प्रतिनिधित्व देना प्रतीकात्मक महत्त्व भर का साबित हो सकता है। ऐसी अनेक मिसालें अभी मौजूद हैं। अतः महिला आरक्षण की बहस को अधिक बड़ा फ़लक दिए जाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को 'सबसे बड़ी अल्पसंख्यक बताया है। अगर इसका अर्थ निर्णय के स्थलों और नीति निर्माण की प्रक्रिया में उपस्थिति से है, तो कोर्ट की राय से सहज सहमत हुआ जा सकता है। वैसे ये टिप्पणी करते हुए जस्टिस बी। वी। नागरत्नम्मा ने आबादी में महिलाओं की संख्या का भी जिक्र किया। कहा कि कुल आबादी में महिलाएं 48। 44 फीसदी हैं। यानी संख्यात्मक रूप से भी वे अल्पसंख्यक हैं। जस्टिस नागरत्नम्मा ने कहा कि संविधान में 106वां संशोधन महिलाओं को राजनीतिक न्याय देने की मिसाल है, हालांकि उन्होंने सवाल किया कि आखिर आरक्षण के प्रावधान से अलग भी राजनीति में महिलाओं को प्रतिनिधित्व क्यों नहीं दिया जा सकता।

जस्टिस नागरत्नम्मा और जस्टिस आर। महादेवन की बेंच एक याचिका पर सुनवाई कर रही है, जो विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए हुए संविधान संशोधन से संबंधित है। चूंकि उपरोक्त आरक्षण जनगणना के बाद होने वाले चुनाव में लागू होगा, तो इस कथित देर पर याचिका में सवाल खड़े किए गए हैं। मगर कोर्ट इस देर से अधिक परेशान नहीं दिखा। इसी क्रम में बिना आरक्षण लागू हुए प्रतिनिधित्व का प्रश्न उठाया गया। बहरहाल, प्रतिनिधित्व अभी मिले या जनगणना के बाद कुछ अहम सवाल कायम रहेंगे। इनमें प्रमुख यह है कि प्रतिनिधित्व दिखावटी होना चाहिए या यह वास्तविक सशक्तीकरण का परिणाम होना चाहिए? आरक्षण के प्रावधान अक्सर वंचित या पीड़ित समूहों की स्व-प्रेरणा एवं अपनी शक्ति से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज कर देते हैं।

संभव है कि यही बात महिला आरक्षण के संदर्भ में भी लागू होती दिखे। सत्ता के ऊंचे स्थलों पर महिलाओं की उपस्थिति बेहद कम है, तो उसका कारण वह सामाजिक एवं सांस्कृतिक धरातल है, जिसमें बच्चियों को लड़कों से कमतर अवसर मिल पाते हैं। खुद जस्टिस नागरत्नम्मा ने भी कहा कि राजनीति, सामाजिक एवं आर्थिक न्याय का समान महत्त्व है। तो बिना आर्थिक भागीदारी बढ़ाए और सामाजिक परिवेश बदले सिर्फ राजनीति प्रतिनिधित्व देने की कोशिश प्रतीकात्मक महत्त्व की साबित हो सकती है। फिलहाल, ऐसी अनेक मिसालें भारतीय राजनीति में मौजूद हैं। अतः महिला आरक्षण की बहस को अधिक बड़ा दायरा दिए जाने की जरूरत है।

भारतीय लोकतंत्र की जमीन पर जड़ें जमाते राजनीति के वंश-वृक्ष देश की संवैधानिक संप्रभुता की जड़ां में मट्ठा घोलने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस समेत हरेक क्षेत्रीय राजनीतिक दल में राजनीतिक उत्तराधिकार और वंशवाद को राजनीति के फलक पर स्थापित करने की होड़ लगी है। भाजपा में भी वंशवाद का रोग पनपा हुआ है। वामदलों को जरूर हम अपवाद के रूप में देख सकते हैं। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जरूर परिवारवाद को बढ़ावा दे रहे दलों की मानसिकता पर कुठाराघात करते हुए उन्हें लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना का विरोधी बताते हुए हमेशा हमलावर रहे हैं। उन्होंने इस प्रवृत्ति को सामंतशाही की संरक्षक और लोकतांत्रिक मूल्यों और मान्यताओं के लिए घातक बताया है। इसमें दो राय नहीं कि विकृत वंशवादी मनोवृत्ति के चलते बहुदलीय शासन प्रणाली, एकतंत्रीय व्यक्तिवाद की गिरफ्त में आती जा रही है। इस नाते देश के प्रमुख राष्ट्रीय दल संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था को एकध्रुवीय बनाने की कोशिश में लगे रहे हैं। कांग्रेस ने तो समूची राजनीति को राहुल गांधी और क्षेत्रीय दलों ने परिवार के मुखियाओं पर केंद्रित कर दी है।

राजनीतिक कुलों में संग्राम

प्रमोद भार्गव

बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल की करारी हार के बाद दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार में वर्चस्व का संग्राम छिड़ गया है। लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव और रमीज खान को चुनाव में हार के लिए जिम्मेदार ठहरा दिया है। परिवार के सदस्यों में मानसिक विकृति किस हद तक होती है, इसका उदाहरण देते हुए रोहिणी ने कहा है कि 'मुझे गालियां देते हुए कहा गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी। इसके बदले में मैंने करोड़ों रुपए और चुनावी टिकट लिए। मुझे अब अपनी उदारता पर पछतावा हो रहा है। मेरा देश की सभी बेटियों से अनुरोध है कि जब आपके मायके में कोई बेटा या भाई हो तो भूल कर भी अपने पिता को नहीं बचाएं।'

लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव भी रोहिणी के समर्थन में खुलकर सामने आ गए हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया है कि 'यदि बहन रोहिणी का माता-पिता ने किसी भी तरह का मानसिक उत्पीड़न दिया है तो उसकी जांच होनी चाहिए।' तेजप्रताप ने यहां तक कह दिया कि जयचंदों को जमीन पर दफन कर देंगे। राज और राजनीतिक वंशों में देखने में आया है कि जब तक वे प्रगति कर रहे होते हैं, तब तक उनमें एकता बनी रहती है, लेकिन पतन के समय ये कुनबे बिर जाते हैं। कुदरत का यह ऐसा जाल है कि वह वंशों के डीएनए में ही अलगाव के बीच बो देता है।

भारतीय लोकतंत्र की जमीन पर जड़ें जमाते राजनीति के वंश-वृक्ष देश की संवैधानिक संप्रभुता की जड़ां में मट्ठा घोलने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस समेत हरेक क्षेत्रीय राजनीतिक दल में राजनीतिक उत्तराधिकार और वंशवाद को राजनीति के फलक पर स्थापित करने की होड़ लगी है। भाजपा में भी वंशवाद का रोग पनपा हुआ है। वामदलों को जरूर हम अपवाद के रूप में देख सकते हैं। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जरूर परिवारवाद को बढ़ावा दे रहे दलों की मानसिकता पर कुठाराघात करते हुए उन्हें लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना का विरोधी बताते हुए हमेशा हमलावर रहे हैं। उन्होंने इस प्रवृत्ति को सामंतशाही की संरक्षक और लोकतांत्रिक मूल्यों और मान्यताओं के लिए घातक बताया है।

इसमें दो राय नहीं कि विकृत वंशवादी मनोवृत्ति के चलते बहुदलीय शासन प्रणाली, एकतंत्रीय व्यक्तिवाद की गिरफ्त में आती जा रही है। इस नाते देश के प्रमुख राष्ट्रीय दल संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था को एकध्रुवीय बनाने की कोशिश में लगे रहे हैं। कांग्रेस ने तो समूची राजनीति को राहुल गांधी और क्षेत्रीय दलों ने परिवार के मुखियाओं पर केंद्रित कर दी है। जबकि संवैधानिक व्यवस्था बहुदलीय है। लोकतंत्र को राजतंत्र में बदलने का यह खेल न तो देश की बुनियादी समस्याएं भूख, अन्याय और असमानता से लड़ने में कामयाब हो सकती हैं और न ही सीमाई संप्रभुता व आंतरिक समस्याओं से निपटने में दो-चार हो सकती हैं। दरअसल, आसानी से मिला राजनैतिक उत्तराधिकार का वैभव व्यक्ति की मानसिकता को सुविधा-भोगी और व्यक्तिवादी महत्वाकांक्षा को बढ़ाने का काम करता हैं। वह राजसी भोग-विलास में भी लग जाता है। प्रजातंत्र में यह स्थिति अपरोक्ष रूप से सामंती मूल्यों को स्थापित करने वाली है।

स्वतंत्रता के बाद अस्तित्व में आए संविधान में समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आदर्शों के साथ देश को एक मजबूत राष्ट्र में गढ़ने की परिकल्पना की गई थी। किंतु जब साल 1952 में स्वतंत्र भारत का पहला आम चुनाव हुआ तो संविधान में दर्ज आदर्शों को पलीता लगाने का काम कांग्रेस समेत अनेक राजनीतिक दलों ने धर्म और जाति के आधार पर उम्मीदवारों का चयन और वोट मांग कर किया। अब आजादी के 78 साल बाद भी धर्म और जाति तो अपनी जगह कायम हैं ही, खरपतवार की तरह वंशवादी ऐसे बरगदी वृक्ष भी उग आए हैं, जो प्रजातांत्रिक मूल्यों और भावनाओं को ठेंगा दिखाने का काम कर रहे हैं। बुंदेलखंण्ड में एक कहावत प्रचलित है कि चंबल नदी की गहराई एक दर्जन खाटों की बान से भी नहीं नापी जा सकती। लेकिन प्रजातंत्र की मिट्टी में वंशवाद की जड़ें जितनी गहरी होती जा रही हैं, उन्हें तो दो दर्जन खाटों के बान से भी नापा जाना मुश्किल है।

कालांतर में कई राजनेताओं के परिवार वंशवाद की डगर पर चले। इसमें वे लोहियावादी भी शामिल हैं, जो कई दशकों तक वंशवाद को कोसते हुए इन्हें लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा बताते रहे। लेकिन क्षेत्रीय दलों के प्रमुख बनने और सत्ता की बागडोर हाथ में आते ही उन्होंने देश के सामने कोई आदर्श उदाहरण पेश करने के बजाय स्वयं वंशवाद के बरगद बने। लालू प्रसाद, मुलायम सिंह और रामविलास पासवान इसके प्रमुख उदाहरण हैं। लालू को जब चारा घोटाले के मामले में बिहार का मुख्यमंत्री रहते हुए जेल जाने की नौबत आई, तो उन्हें अपना राष्ट्रीय जनता दल में ऐसा एक भी होनहार नेता नहीं दिखाई दिया जो मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने की काबिलियत रखता हो। आखिरकार यह योग्यता उन्हें अपनी निरक्षर धर्मपत्नी राबड़ी देवी में ही दिखाई दी। अंततः लालू ने प्रजातांत्रिक राज्य सत्ता राबड़ी को मनोनीत करके हस्तांतरित कर दी। स्वतंत्र भारत में राज्यसत्ता के पारिवारिक उत्तराधिकारी को ही हस्तांतरित किए जाने की यह मनोवृति सबसे शर्मनाक स्थिति रही है। बाद में लालू के दो पुत्र और दो पुत्रियां राजनीति में सीधे दखल देने लग गईं। किंतु 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद लालू कुनबे की कलह सड़क पर आ गई।

मुलायम सिंह यादव की कहानी भी लालू जैसी ही है। इनके पूरे कुनबे ने ही राजनीति में हस्तक्षेप करके गांधी और सिंधिया परिवार को पीछे छोड़ दिया है। मुलायम के भाई रामगोपाल यादव और शिवपाल यादव राजनीति में हैं। बेटा अखिलेश उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और अब समाजवादी पार्टी उन्हीं की मुट्ठी में है। अखिलेश की पत्नी डिपंल भी सांसद हैं। भतीजे धर्मेन्द्र और अक्षय भी सक्रिय राजनीति में हैं। उसी तरह रामविलास पासवान के भाई रामचंद्र और पारस पहले ही राजनीति में थे। रामविलास पासवान के निधन के बाद उनके पुत्र चिराग के हाथो में लोक जनशक्ति पार्टी की कमान है।उसी तरह भारतीय राजनीति में वंशवाद के शुरुआती उदाहरणों में गांधी परिवार के साथ मध्य प्रदेश के सिंधिया परिवार का भी नाम शामिल है।

दक्षिण में भी वंश-वृक्ष खूब फल-फूल रहे हैं। आठ दशक पुराने क्रांतिकारी द्रविड़ आंदोलन और हिन्दी के विरोध की कोख से जन्मी द्रविड मुनेत्र कशघम यानी द्रमुक भी वंशवाद की राह पर है। एम करुणानिधि की राजनैतिक विरासत का वास्तविक उत्तराधिकारी कौन है, इस सवाल को लेकर उनके दोनों बेटों में खूनी जंग भी छिड़ चुकी है। हालांकि बड़े बेटे एमके अलागिरी की बजाए करुणानिधि ने छोटे बेटे एमके स्टालिन को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था इसलिए पार्टी और राज्य सत्ता की कमान स्टालिन के हाथ है। उनकी बेटी कनिमोझी भी सासंद हैं। 2 जी स्पेक्ट्रम घोटाले में वे जेल भी जा चुकीं हैं। हालांकि करुणानिधि और उनका दल साम्यवाद से प्रभावित रहा है। मार्क्स का जो ऐतिहासिक भौतिकवाद है, वह प्रजातंत्र में कुनबापरस्ती का विरोध करता है, लेकिन करुणानिधि का वंश इसी कुनुबापरस्ती की गिरफ्त में है। तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी और बहुजन समाजवादी पार्टी की सुप्रीमो मायावती अविवाहित हैं, बावजूद वंशवादी मानसिकता के चलते अपने भतीजों को आगे बढ़ा रही हैं।

प्रदूषण की कीमत: क्या भारत को चाहिए एक व्यापक 'प्रदूषण कर'?

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ तेज आर्थिक विकास और बिगड़ते पर्यावरण के संकट के बीच संतुलन बनाना अत्यंत कठिन चुनौती बन गया है। शहरों की हवा दिन-प्रतिदिन जहरीली होती जा रही है, नदियाँ औद्योगिक कचरे से भर रही हैं, भूमिगत जल स्तर घट रहा है, ठोस कचरे के पहाड़ महानगरों की पहचान बनते जा रहे हैं, वहीं जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कृषि, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। ऐसी स्थिति में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब भारत को प्रदूषण फैलाने वालों पर प्रत्यक्ष आर्थिक दंड लगाने-अर्थात विस्तृत "प्रदूषण कर" लागू करने-की आवश्यकता है?

प्रदूषण कर का विचार नया नहीं, परन्तु इसकी आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक है। अर्थशास्त्र में यह माना जाता है कि जब कोई उद्योग, वाहन या गतिविधि प्रदूषण फैलाती है तो उसका दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ता है, न कि केवल उसे जो प्रदूषण फैला रहा है। यह बाजार व्यवस्था की वह गंभीर विफलता है जिसे "बाह्य लागत" कहा जाता है-अर्थात नुकसान तो समाज को होता है, पर उसका मूल्य न तो वस्तु की कीमत में जुड़ता है, न ही प्रदूषण फैलाने वाला उसे भरता है। ऐसे में "प्रदूषण कर" इसी असंतुलन को सुधारने का प्रयास करता है, जहाँ जो जितना अधिक प्रदूषण फैलाए, वह उतनी अधिक आर्थिक कीमत चुकाए।

भारत में कोयले पर लगाया गया "स्वच्छ ऊर्जा उपकर" इसका एक प्रारंभिक स्वरूप था, परंतु आज देश में वायु, जल, ध्वनि, ठोस कचरा और औद्योगिक उत्सर्जन का ऐसा मिश्रित संकट है कि केवल किसी एक क्षेत्र पर कर लगाना पर्याप्त नहीं। आवश्यकता एक सर्वसमावेशी और वैज्ञानिक पद्धति से तैयार प्रदूषण कर की है, जो प्रदूषण को कम करने और स्वच्छ विकल्पों को बढ़ावा देने में सहायक हो।

प्रदूषण कर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह प्रदूषण को महँगा बनाता है और स्वच्छता को सस्ता। जब किसी उद्योग को प्रति इकाई उत्सर्जन पर कर देना पड़ेगा, तो वह स्वाभाविक रूप से ऐसी तकनीक अपनाने की ओर अग्रसर होगा जो कम प्रदूषण करे। यूरोप जैसे क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है जहाँ कार्बन-आधारित दंड के बाद ऊर्जा-संरक्षण और हरित तकनीक का उपयोग अत्यधिक बढ़ा। भारत में भी यह परिवर्तन संभव है, बशर्ते नीति दीर्घकालिक, पारदर्शी और लक्ष्य-उन्मुख हो।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत को आने वाले वर्षों में पर्यावरण-रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। नदियों की सफाई, स्वच्छ परिवहन व्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, ठोस कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा हरित भवनों के विकास पर अत्यधिक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी। ऐसे में प्रदूषण कर एक स्थायी और अनुमानित राजस्व स्रोत बन सकता है, जिसे एक स्वतंत्र "हरित निधि" के माध्यम से केवल पर्यावरण संरक्षण पर व्यय किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर भी प्रदूषण कर का महत्व बढ़ रहा है। कई विकसित देश अब उन आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगा रहे हैं जो अधिक प्रदूषणकारी स्रोतों से बनती हैं। यदि भारत घरेलू स्तर पर प्रदूषण पर उचित कर लागू करता है, तो भारतीय निर्यातकों को विदेशी बाजारों में अतिरिक्त शुल्क से राहत मिल सकती है। इस प्रकार प्रदूषण कर केवल पर्यावरण-हित में नहीं, बल्कि भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा की रक्षा में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।

परंतु इन सबके बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या प्रदूषण कर गरीबों पर भारी पड़ सकता है? यह चिंता बिल्कुल वास्तविक है। यदि ईंधन और बिजली की लागत बढ़ेगी, तो उसके साथ ही परिवहन, खाद्य पदार्थ और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव निम्न-आय वर्ग पर पड़ता है, जिनके पास विकल्प सीमित होते हैं। इसलिए प्रदूषण कर को न्यायपूर्ण बनाने के लिए यह अनिवार्य होगा कि निम्न-आय वाले परिवारों को प्रत्यक्ष नकद सहायता, ऊर्जा सब्सिडी और रसोई गैस जैसी आवश्यकताओं पर राहत दी जाए।

उद्योग जगत की चिंताएँ भी कम नहीं। विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग ऊर्जा-प्रधान होते हैं और किसी भी अतिरिक्त कर का प्रभाव उनकी लागत पर पड़ता है। अतः प्रदूषण कर को चरणबद्ध ढंग से लागू करना होगा-पहले बड़े उद्योगों पर, फिर धीरे-धीरे छोटे उद्योगों को तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ इस दायरे में लाना होगा। हरित मशीनरी पर अनुदान, ब्याज रहित ऋण, और तकनीकी उन्नयन के लिए मार्गदर्शन इस परिवर्तन को सुगम बना सकते हैं।

भारत की प्रशासनिक क्षमता भी एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रदूषण का सटीक मापन, डेटा की विश्वसनीयता और निगरानी तंत्र की पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक होगी। छोटे उद्योगों और गैर-प्रमाणित स्रोतों की निगरानी आज भी चुनौतीपूर्ण है। यदि उत्सर्जन मापन ही विश्वसनीय न हो, तो कर प्रणाली पर विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए भारत को आधुनिक सेंसर-तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, डिजिटल उत्सर्जन-पंजीकरण तथा रियल-टाइम निगरानी प्रणाली को मजबूत करना होगा।

इसके अतिरिक्त, प्रदूषण कर की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि सरकार इसके राजस्व का उपयोग कहाँ करती है। यदि यह धन सामान्य बजट में विलीन हो गया, तो जनता में अविश्वास बढ़ेगा और नीति का उद्देश्य कमजोर पड़ेगा। इसके लिए एक स्वतंत्र "हरित कोष" का गठन आवश्यक है, जो केवल प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छ ऊर्जा, हरित परिवहन और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों पर व्यय हो तथा जिसकी वार्षिक लेखा-परीक्षा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो। राजनीतिक दृष्टि से यह एक साहसिक कदम होगा। किसी भी प्रकार की मूल्य-वृद्धि जनता के बीच असंतोष उत्पन्न कर सकती है। परंतु यह भी सत्य है कि पर्यावरणीय संकट अब इतना गंभीर हो चुका है कि उससे निपटने के लिए कठोर, दीर्घकालिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधार आवश्यक हैं। भारत की युवा पीढ़ी सुरक्षित जल, स्वच्छ वायु और स्वस्थ जीवन की मांग कर रही है। इस मांग को नजरअंदाज करना अब संभव नहीं। अंततः यह कहा जा सकता है कि प्रदूषण कर भारत के लिए केवल राजस्व-संग्रह का साधन नहीं, बल्कि एक व्यापक हरित परिवर्तन की दिशा में आवश्यक कदम है। इसे न्यायपूर्ण, पारदर्शी, चरणबद्ध और वैज्ञानिक आधार पर लागू करने से भारत न केवल प्रदूषण कम कर पाएगा, बल्कि अपने विकास मॉडल को भी टिकाऊ, स्वस्थ और पर्यावरण-सम्मत बना सकेगा।

यदि इसे सही नीतिगत ढंग से लागू किया गया, तो यह भारत के इतिहास में वह मोड़ साबित हो सकता है जहाँ देश ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संरक्षण को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी सिद्ध किया।

नवंबर में कब मनाई जाएगी सुब्रह्मण्य षष्ठी, पढ़ें शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

भगवान स्कंद को मुरुगन और सुब्रहमन्य आदि के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व मुख्य रूप से 'मार्गशीर्ष' महीने के शुक्ल पक्ष की 'षष्ठी' तिथि को मनाया जाता है। सुब्रह्मण्य षष्ठी के दिन भगवान स्कंद के निमित्त व्रत रखने और पूजा करने से भक्तों को सुख, समृद्धि और विजय की प्राप्ति होती है। दक्षिण भारत में इस पर्व को विशेष रूप से मनाया जाता है। ऐसे में चलिए इस खास मौके पर जानते हैं भगवान कार्तिकय जी की पूजा विधि और मंत्र।

सुब्रह्मण्य षष्ठी का शुभ मुहूर्त

मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि 25 नवंबर को रात 10 बजकर 56 मिनट पर हो रही है। वहीं इस तिथि का समापन 27 नवंबर देर रात 12 बजकर 1 मिनट पर होगा। ऐसे में मार्गशीर्ष माह में सुब्रह्मण्य षष्ठी का पर्व बुधवार 26 नवंबर को मनाया जाएगा।

सुब्रह्मण्य षष्ठी पूजा विधि

सुब्रह्मण्य षष्ठी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद स्कंद भगवान का ध्यान करें और व्रत का संकल्प लें। पूजा स्थल की साफ-सफाई कर, एक चौकी पर भगवान कार्तिकेय की मूर्ति या फिर तस्वीर स्थापित करें। भगवान कार्तिकेय के साथ-साथ समस्त शिव परिवार की भी पूजा-अर्चना करें। पूजा में कार्तिकेय जी को फूल, चंदन, धूप, दीप और नैवेद्य आदि अर्पित करें और फल, मिठाई आदि का भोग लगाएं। इस दिन पूजा में आप मोरपंख भी अर्पित कर सकते हैं, क्योंकि यह भगवान कार्तिकेय को प्रिय माना गया है। अंत में स्कंद भगवान के मंत्रों व आरती का पाठ करें और सभी लोगों में प्रसाद बांटें।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1815 - यूरोप में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए रूस, प्रशिया, आस्ट्रिया और इंग्लैंड ने गठबंधन किया।
1829 - रूस के निकोलायेव और सेवेस्तोपोल क्षेत्र से यहूदियों को निकाला गया।
1866 - अमेरिका के वांशिगटन में हावर्ड विश्वविद्यालय की स्थापना।
1917 - यूक्रेन गणराज्य घोषित हुआ।
1917 - कलकत्ता (अब कोलकाता) में बोस अनुसंधान संस्थान की स्थापना।
1942 - ब्रिटिश सेना ने लीबिया की राजधानी बेनगाजी पर दोबारा कब्जा किया।
1945 - जापान का अमेरिका के समक्ष पूर्ण आत्मसमर्पण एवं द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति।
1949 - इजराFल में यहूदियों की संख्या दस लाख हुई।
1955 - पॉली उमरीगर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में भारत की ओर से पहला दोहरा शतक लगाया।
1968 - अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1981 - अफ्रीकी देश बुरुंडी में संविधान अंगीकार किया गया।
1981 - भास्कर उपग्रह को छोड़ा गया था।
1985 - माइक्रोसाफ्ट विंडोज 1.0 जारी हुआ।
1994 - अंगोला सरकार और यूनिटा विद्रोहियों के मध्य 19 वर्ष से जारी संघर्ष की समाप्ति के लिए लुसाका में शांति संधि सम्पन्न।
1997 - अमेरिकी अंतरिक्ष शटल यान 'कोलम्बिया' फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केन्द्र से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित।
1998 - अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जारया का पहला माड्यूल जारी।
2002 - अटलांटिक महासागर में स्पेन के तट से क़रीब 150 मील दूर बहामा जा रहा 'प्रेस्टीज तेल टैंकर' डूबा।
2003 - तुर्की के इस्ताम्बल में हुए बम विस्फोट में ब्रिटेन के महावाणिज्य दूत सहित 27 लोगों की मृत्यु।
2007 - पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय व प्रान्तीय असेंबलियों के चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया।
2008- मालेगांव धमाके के मामले में गिरफ्तार सभी 10 आरोपितों पर मकोका लगाया गया।

विश्व बाल दिवस: मासूमियत की रक्षा का वैश्विक संकल्प

- योगेश कुमार गोयल

बाल दिवस केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है। भारत में बाल दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है लेकिन बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस हमें बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष यह दिवस 'मेरा दिन, मेरे अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो यह सुनिश्चित करने पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना, उनकी समस्याओं को हल करना, उनके कल्याण के लिए काम करना तथा अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। बाल दिवस दुनियाभर में 190 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है और अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग-अलग हैं। जनवरी माह से लेकर दिसम्बर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को 'विश्व बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चें एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जेनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्तूबर 1953 में मनाया गया था। विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार वीके कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1954 में अपनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के तमाम देशों से अपील की गई थी कि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो। वैसे तो बाल दिवस मनाए जाने की शुरूआत वर्ष 1925 से ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो इसे दुनियाभर में मान्यता मिली साल 1953 में।

दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जगरूक करने का प्रयास किया जाता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्की में मनाया गया था। आईए देखते हैं कि दुनियाभर में किन देशों द्वारा कब बाल दिवस मनाया जाता है। जनवरी के पहले शुक्रवार को बहामास में, 11 जनवरी को ट्यूनिशिया, जनवरी के दूसरे शनिवार को थाईलैंड, फरवरी के दूसरे रविवार कुक द्वीप समूह, नाउरू, निउए, टोकेलौ तथा केमन द्वीप समूह में, 13 फरवरी को म्यांमार, मार्च के पहले रविवार को न्यूजीलैंड, 17 मार्च को बांग्लादेश, 4 अप्रैल को चीनी ताइपे, हांगकांग, 5 अप्रैल को फिलिस्तीन, 12 अप्रैल को बोलिविया तथा हैती, 23 अप्रैल को तुर्की, 30 अप्रैल को मेक्सिको, 5 मई को दक्षिण कोरिया तथा जापान, मई के दूसरे रविवार को स्पेन तथा यूके, 10 मई को मालदीव, 17 मई को नार्वे, 27 मई को नाईजीरिया, मई के आखिरी रविवार को हंगरी, 1 जून को चीन सहित कई देशों में बाल संरक्षण दिवस के रूप में, 1 जुलाई को पाकिस्तान, जुलाई के तीसरे रविवार को क्यूबा, पनामा, वेनेजुएला, 23 जुलाई को इंडोनेशिया, अगस्त के पहले रविवार को उरुग्वे, 16 अगस्त को पैराग्वे, अगस्त के तीसरा रविवार को अर्जेन्टीना तथा पेरू, 9 सितम्बर कोस्टा रीका, 10 सितम्बर को हौण्डुरस, 14 सितम्बर को नेपाल, 20 सितम्बर को आसट्रिया तथा जर्मनी, 25 सितम्बर को नीदरलैंड, 1 अक्तूबर को अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला तथा श्रीलंका, अक्तूबर के पहले बुधवार को चिली, अक्तूबर के पहले शुक्रवार को सिंगापुर, 8 अक्तूबर को ईरान, 12 अक्तूबर को ब्राजील, अक्तूबर के चौथे शनिवार को मलेशिया, अक्तूबर के चौथा रविवार को आस्ट्रेलिया, नवम्बर के पहले शनिवार को दक्षिण अफ्रीका, 20 नवम्बर को अजरबैजान, कनाडा, साइप्रस, मिस्त्र, इथियोपिया, फिनलैंड, फ्रांस, यूनान, आयरलैंड, इजराइल, केन्या, मैसिडोनिया, नीदरलैंड, फिलीपींस, सर्बिया, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, त्रिनिदाद व टोबेगो, 5 दिसम्बर को सूरीनाम, 23 दिसम्बर को सूडान तथा 25 दिसम्बर कांगो गणराज्य, कैमरून तथा भूमध्यरेखीय गिनी में बाल दिवस का आयोजन किया जाता है।

बहरहाल, विश्व बाल दिवस हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि बच्चों का भविष्य उनके आज पर निर्भर करता है, जिसके लिए हमें ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बाल श्रम और शोषण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें, उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और पोषित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। भारत में बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए कई कानून और योजनाएं लागू हैं, जिनमें बाल श्रम निषेध और विनियमन अधिनियम 1986, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, पॉक्सो एक्ट 2012 प्रमुख रूप से शामिल हैं। मिड-डे मील योजना और आंगनबाड़ी सेवा जैसी योजनाएं भी बच्चों के पोषण और शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपनी-अपनी सहूलियत के आधार पर विभिन्न देशों द्वारा भले ही अलग-अलग तारीखों पर बाल दिवस मनाया जाता है लेकिन हर जगह बाल दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि इसके जरिये लोगों को बच्चों के अधिकारों तथा सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा सके। बच्चों से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जा सके।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

न्यायालय ने केंद्र से अंग प्रतिरोपण पर राष्ट्रीय नीति, समान नियम बनाने को कहा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र को अंगदान और आवंटन के लिए एक पारदर्शी एवं सक्षम प्रणाली बनाने के लिए राज्यों के परामर्श से एक राष्ट्रीय नीति और समान नियम बनाने के संबंध में कई निर्देश जारी किए। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने इंडियन सोसायटी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर ये निर्देश पारित किए।

प्रधान न्यायाधीश ने अपने आदेश में केंद्र से अनुरोध किया कि वह आंध्र प्रदेश को मानव अंग प्रतिरोपण अधिनियम, 1994 में 2011 के संशोधनों को अपनाने के लिए राजी करे। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कर्नाटक, तमिलनाडु और मणिपुर जैसे राज्य, जिन्होंने अभी तक मानव अंग एवं ऊतक प्रतिरोपण नियम, 2014 को नहीं अपनाया है, इस मुद्दे के 'महत्व' पर जोर देते हुए इसे शीघ्रता से अपनाएं। पीठ ने केंद्र से अंग प्रतिरोपण के लिए ''आदर्श आवंटन मानदंड'' वाली एक राष्ट्रीय नीति विकसित करने को कहा। पीठ ने कहा कि इस नीति में लिंग और जातिगत पूर्वाग्रह के मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और राज्य-वार विसंगतियों को समाप्त करने के लिए ''देश भर के अंगदाताओं के लिए एक समान मानदंड'' स्थापित किए जाने चाहिए। शीर्ष अदालत ने इस बात का संज्ञान लिया कि मणिपुर, नगालैंड, अंडमान निकोबार और लक्षद्वीप जैसे राज्यों में राज्य अंग एवं ऊतक प्रतिरोपण संगठन (एसओटीटो) का अभाव है। पीठ ने केंद्र से राज्यों से परामर्श के बाद राष्ट्रीय अंग प्रतिरोपण कार्यक्रम के तहत इन निकायों का गठन करने को कहा।

जीवित रहते हुए अंगदान करने वालों को 'शोषण' से बचाने के मुद्दे पर, पीठ ने केंद्र सरकार से कहा कि ऐसे लोगों के कल्याण के लिए दिशानिर्देश विकसित किये जाएं ताकि अंगदान के बाद उनकी देखभाल की जा सके और उनका उत्पीड़न रोका जा सके। उसने सरकार को राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रतिरोपण संगठन (एनओटीटीओ) के परामर्श से जन्म और मृत्यु पंजीकरण प्रपत्रों (फॉर्म 4 और 4ए) में संशोधन करने का भी निर्देश दिया ताकि स्पष्ट रूप से यह दर्शाया जा सके कि क्या मृत्यु 'मस्तिष्कीय मृत्यु' थी और क्या परिवार को अंगदान का विकल्प प्रदान किया गया था। मंगलवार को, जनहित याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता ने देश भर में 2014 के नियमों की उपयोगिता के बारे में एकरूपता की कमी के मुद्दे पर दलील रखना शुरू किया, क्योंकि आंध्र प्रदेश और कर्नाटक जैसे कुछ राज्य इसके बजाय अपने मौजूदा कानूनों पर निर्भर हैं। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील के. परमेश्वर ने कहा कि आज की तारीख में दाताओं और प्राप्तकर्ताओं के लिए एक समेकित राष्ट्रीय डेटाबेस का अभाव चिंताजनक है और राज्यों में प्रक्रिया को धीमा कर रहा है।

उन्होंने कहा कि अंग प्रतिरोपण आज तक केवल एक निश्चित वर्ग के लोगों के लिए ही सुलभ है, क्योंकि वर्ग और लैंगिक असमानताएं कायम हैं। कम से कम 90 प्रतिशत अंग प्रतिरोपण निजी अस्पतालों में होते हैं, जबकि सरकारी अस्पतालों को अंगदान रजिस्ट्री में मुश्किल से ही नुमाइंदगी मिलती है। इससे पहले 21 अप्रैल को, न्यायालय ने केंद्र को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और लोक स्वास्थ्य सचिवों की एक बैठक बुलाने और अंग प्रतिरोपण कानूनों को अपनाने और लागू करने के साथ-साथ एनओटीटीओ दिशानिर्देशों के अनुपालन पर विस्तृत आंकड़े एकत्र करने का निर्देश दिया था। इन कानूनों में 1994 का अधिनियम, इसका 2011 का संशोधन और 2014 के नियम शामिल हैं।

उच्चतम न्यायालय ने न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम के अहम प्रावधानों को रद्द किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने विभिन्न न्यायाधिकरणों के सदस्यों की नियुक्ति, कार्यकाल और सेवा शर्तों से संबंधित 2021 के न्यायाधिकरण सुधार कानून के कई प्रावधानों को बुधवार को रद्द कर दिया और कहा कि इन्हें केंद्र द्वारा मामूली बदलावों के साथ फिर से लागू किया गया था। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि विवादित प्रावधान शक्तियों के पृथक्करण और न्यायिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं और उन्हें वापस नहीं लाया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि लंबित मामलों से निपटना केवल न्यायपालिका की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदारी सरकार के अन्य अंगों को भी उठानी होगी। पीठ ने कहा कि संसद ने पहले से ही न्यायालय द्वारा रद्द किए गये प्रावधानों को पुनः लागू करके बाध्यकारी न्यायिक मिसालों की ''विधायी रूप से अवहेलना'' का प्रयास किया। प्रधान न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा, ''हमने अध्यादेश और 2021 के अधिनियम के प्रावधानों की तुलना की है और यह दर्शाता है कि पहले ही खारिज किए जा चुके सभी प्रावधानों को मामूली बदलाव के साथ फिर से लागू किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''इस प्रकार हमारा मानना है कि 2021 अधिनियम के प्रावधानों को बरकरार नहीं रखा जा सकता क्योंकि यह शक्तियों के पृथक्करण और न्यायिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। यह किसी भी खामी को दूर किए बिना और बाध्यकारी निर्णय के विपरीत जाकर विधायी अतिक्रमण के समान है३ यह संविधान के अनुरूप नहीं है। इसलिए, इसे असंवैधानिक घोषित करके रद्द किया जाता है।'' न्यायालय ने कार्यकाल पर पूर्व के न्यायिक निर्देशों को बहाल कर दिया, तथा यह स्पष्ट कर दिया कि आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) और सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी) के सदस्य 62 वर्ष की आयु तक सेवा में बने रहेंगे, जबकि उनके अध्यक्ष 65 वर्ष की आयु तक पद पर बने रहेंगे।

प्रदर्शनों में शामिल चिकित्सकों को संरक्षण के लिए 'व्यापक आदेश' पारित नहीं कर सकते : न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक से बलात्कार और उसकी हत्या की घटना के बाद विरोध प्रदर्शन में शामिल चिकित्सकों को संरक्षण देने के लिए ''व्यापक आदेश'' पारित नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि कोई भी आदेश पारित करना पुलिस के अधिकार में हस्तक्षेप होगा। न्यायालय ने कहा कि इस मामले की सुनवाई ''टुकड़ों'' में नहीं की जा सकती और वह इस मामले को कलकत्ता उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने के पक्ष में है। पीठ ने मौखिक रूप से कहा, ''हम इतनी सारी समस्याओं से जूझ रहे हैं और इसका कोई अंत नहीं है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के लिए विरोध प्रदर्शनों की निगरानी करना आसान है। क्या हमारे लिए दिल्ली में बैठकर कोलकाता में हो रहे विरोध प्रदर्शनों की निगरानी करना संभव है?'' उसने कहा, ''हम चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए व्यापक आदेश कैसे पारित कर सकते हैं? पुलिस को आपको बुलाने का अधिकार है।'' शीर्ष अदालत ने जूनियर और सीनियर चिकित्सकों के एक संघ का प्रतिनिधित्व करने वाली वरिष्ठ अधिवक्ता करुणा नंदी को कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित मामलों की एक तालिका प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान नंदी ने दलील दी कि प्रदर्शनकारी चिकित्सकों को पुलिस द्वारा परेशान किया जा रहा है और उन्हें बार-बार पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है। उन्होंने शीर्ष अदालत से चिकित्सकों को सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश देने का अनुरोध किया। अब इस मामले की सुनवाई शीतकालीन अवकाश के बाद होगी। पिछले साल नौ अगस्त को आरजी कर अस्पताल के सेमिनार कक्ष में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक का शव मिला था। कोलकाता पुलिस ने अगले दिन एक नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को गिरफ्तार कर लिया था। इस जघन्य अपराध के बाद देश भर में आक्रोश फैल गया था और पश्चिम बंगाल में लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन हुए थे। कोलकाता की एक निचली अदालत ने 20 जनवरी को इस मामले में दोषी रॉय को ''मृत्यु तक आजीवन कारावास'' की सजा सुनाई।

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर-ट्राली और बाइक के बीच जोरदार भिड़ंत, दो लोगों की मौत

सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में इछावर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुराड़ी के पास बुधवार को एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बाइक सवार दो लोग बुधवार सुबह धाईखेड़ा जा रहे थे। इसी दौरान गुराड़ी की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक ने लापरवाही से बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही इछावर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों की पहचान सरकारी शिक्षक हनुमत सिंह ऊईके (उम्र करीब 50 वर्ष) और उनके साथी ज्ञान सिंह (उम्र करीब 45 वर्ष) के रूप में हुई है। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रैक्टर चालक की लापरवाही के कारण यह भयानक हादसा हुआ। इस क्षेत्र में पहले भी कई सड़क हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद, प्रशासन द्वारा यहां सावधानी के सूचना बोर्ड या स्पीड ब्रेकर लगाने के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए हैं।

रामगढ़ में शारीरिक प्रशिक्षण के दौरान अग्निवीर की मौत

रामगढ़ (झारखंड)। झारखंड के रामगढ़ छावनी में पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में शारीरिक प्रशिक्षण के दौरान एक अग्निवीर की मौत हो गयी। सेना के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान पंजाब के फिरोजपुर जिले के लोहगढ़ गांव निवासी अग्निवीर जसनप्रीत सिंह (21) के रूप में हुई है। वह (जसनप्रीत) पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में नियमित शारीरिक प्रशिक्षण ले रहा था और इसी दौरान उसने सांस फूलने की शिकायत की। सेना ने एक बयान में कहा, रजसनप्रीत (21) ने मंगलवार को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की और सैन्य अस्पताल रामगढ़ ले जाने से पहले उसे तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया। दुर्भाग्य से, वह रास्ते में ही बेहोश हो गया। चिकित्सकीय टीम के कई प्रयासों के बावजूद जसनप्रीत को नहीं बचाया जा सका। सेना ने कहा कि भारतीय सेना ने शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और परिजनों को आवश्यक सहायता दी जा रही है।

भाजपा को अब उपमुख्यमंत्री शिंदे की जरूरत नहीं: राकांपा (एसपी)

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना के मंत्रियों के बीच कथित खींचतान यह दर्शाती है कि भाजपा को अब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की जरूरत नहीं है। शिवसेना के मंत्रियों के कथित तौर पर मंत्रिमंडल की बैठक से नदारद रहने के बाद शिंदे द्वारा अकेले बैठक में शामिल होने संबंधी खबरों का हवाला देते हुए राकांपा (एसपी) के प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने कहा कि घटनाक्रम से पता चलता है कि ''फडणवीस को शिंदे के प्रति कोई सम्मान नहीं है'' और मंत्रियों को भी उपमुख्यमंत्री के प्रति ''कोई खास सम्मान नहीं'' है। क्रास्टो ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा, ''यदि एकनाथ शिंदे में थोड़ा भी आत्मसम्मान है तो उन्हें भाजपा के साथ गठबंधन छोड़ देना चाहिए। अगर वह सही समय पर बाहर नहीं निकले, तो उन्हें जल्द ही बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा।'' महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ 'महायुति' के घटक दलों में भाजपा, शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। शिंदे को छोड़कर शिवसेना के मंत्रियों ने मंगलवार को साप्ताहिक मंत्रिमंडल की बैठक में कथित तौर पर भाग नहीं लिया था। ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा ने राज्य के कई हिस्सों में शिवसेना के नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी में शामिल कर लिया है। इससे स्थानीय निकाय चुनाव से पहले 'महायुति' गठबंधन में बेचैनी बढ़ गई है। बाद में फडणवीस और शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के मंत्रियों के बीच बैठक हुई।

किसान हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : शिवराज सिंह चौहान

धमतरी में पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त वितरित

धमतरी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त का लाभ बुधवार को धमतरी जिले के किसानों को भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर एकलव्य खेल मैदान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि, ग्रामीण विकास एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। अपने संबोधन में केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि किसान हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार खाद्य सुरक्षा, उचित उपज मूल्य, निःशुल्क राशन और पोषण आहार सुनिश्चित करने के लिए छह सूत्रीय कार्यक्रम पर काम कर रही है। कृषि मंत्री चौहान ने किसानों को धान के साथ चना, उड़द और मसूर की खेती करने का सुझाव देते हुए कहा कि सरकार इन सभी फसलों की पूरी खरीद करेगी।

उन्होंने किसानों से पीएम फसल बीमा योजना का लाभ लेने की अपील भी की ताकि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में फसल का पूरा मुआवजा मिल सके। कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि पहले केंद्र से भेजे गए एक रुपये में से सिर्फ 15 पैसा जनता तक पहुंचता था, जबकि आज की सरकार में संपूर्ण राशि सीधे खातों में ट्रांसफर की जाती है। कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए मंत्री ने कहा कि ''जहां-जहां कांग्रेस जाती है, वहां पार्टी कमजोर होती है।'' उन्होंने यह भी कहा कि ''देश धर्मशाला नहीं है कि कोई भी घुसपैठिया आकर बस जाए,''। उन्होंने कांग्रेस पर बाहरी लोगों को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बीच के पांच वर्षों को छोड़ दिया जाए, तो छत्तीसगढ़ विकसित राज्यों की श्रेणी में आ चुका है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर भ्रष्टाचार और बदले की राजनीति का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के सभी पात्र परिवारों को पक्का मकान देने के लिए प्रतिबद्ध है और वर्तमान में 19 लाख मकानों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में नक्सलवाद लगभग समाप्त हो चुका है और नक्सल प्रभावित इलाकों में भी लगभग 15,000 मकान बनाए जाएंगे। इसके अलावा, उन्होंने मंच से घोषणा की कि 780 गांवों को जोड़ने के लिए 2,225 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं और विकास कार्यों में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव सहित राज्य सरकार के कई मंत्री, सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कांग्रेस ने मध्यस्थता संबंधी ट्रंप के दावे को लेकर कटाक्ष किया

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता संबंधी दावा एक बार फिर से किए जाने के बाद कांग्रेस ने बुधवार को सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब ऐसा लगा कि दावे बंद हो गए हैं, तो ट्रंप ने दुनिया को इस बारे में फिर से याद दिलाया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि ट्रंप ने यह दावा 60 बार किया है। रमेश ने एक पर पोस्ट किया, 'जब ऐसा लगा कि दावे बंद हो गए हैं, राष्ट्रपति ट्रंप ने दुनिया को फिर से याद दिलाया है। कल वाशिंगटन में सऊदी अरब के युवराज के साथ बैठक में राष्ट्रपति ट्रंप ने अपना दावा दोहराया कि उन्होंने ऑपरेशन सिन्दूर को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया था।'' कांग्रेस नेता ने कहा, 'बेशक, उन्होंने यह बात पहले सऊदी अरब के साथ-साथ कतर, मिस्र, ब्रिटेन, नीदरलैंड और जापान के अलावा कई अन्य प्रेस वार्ताओं में भी कही है।'

नए आपराधिक कानूनों का क्रियान्वयन पीड़ितों को न्याय दिलाने में प्रभावी: सीएम

मुंबई। नए आपराधिक कानूनों का क्रियान्वयन पीड़ितों को न्याय दिलाने में कारगर साबित हो रहा है। नए आपराधिक कानूनों में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को स्वीकार किया जा रहा है, यद्यपि ब्रिटिशकालीन आपराधिक कानून डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक रूप में साक्ष्य स्वीकार करने की अनुमति नहीं देते थे, फिर भी अपराध के कई आरोपी साक्ष्य के अभाव में बरी हो जाते थे, लेकिन अब केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन के कारण पीड़ितों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर न्याय मिल रहा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कही। मुंबई के आजाद मैदान में नए आपराधिक कानूनों पर आधारित पांच दिवसीय प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि अंग्रेजों ने भारत पर शासन करने के लिए भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम तैयार किए थे। ये ऐसे कानून हैं, जो लगभग 125 से 150 साल पुराने हैं। इन कानूनों में भारत की प्रगति या यहां के पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने का कोई प्रावधान नहीं था। हालांकि, अब नए कानूनों के निर्माण से यह व्यवस्था बदल गई है । मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अपराध दोषसिद्धि दर, जो 2013 में 9 प्रतिशत थी, अब बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई है। इन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से निश्चित रूप से यह दर 90 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि साइबर अपराध एक नई चुनौती है। राज्य में देश की सबसे अच्छी साइबर लैब है। पिछले कुछ दिनों में 60 से अधिक लड़कियों को साइबर बदमाशी से बचाया गया है।

छत्तीसगढ़ में आईएसआईएस नेटवर्क से जुड़े दो नाबालिगों की एटीएस ने की पहचान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आईएसआईएस के नेटवर्क को लेकर आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने बड़ा खुलासा किया है। रायपुर एटीएस ने 2 ऐसे लड़कों की पहचान की है जिन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स ने संपर्क बनाया था। जानकारी के मुताबिक, जिन दो नाबालिगों की पहचान की गई है, उनमें एक रायपुर और दूसरा भिलाई का रहने वाला है।

खुफिया एजेंसी करीब डेढ़ साल से इन पर नजर रख रही थी। जांच एजेंसियों को इनके पास मिले मोबाइल से कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वाले कई मैसेज और वीडियो संदेश मिले हैं। आईएसआईएस इन नाबालिगों के जरिए से अंदरूनी जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहा था। जांच में पता चला है कि ये दोनों लड़के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के संपर्क में थे। इस मामले में एटीएस ने बीती देर रात गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) के तहत पहली एफआईआर दर्ज की है। एटीएस के अनुसार, इंस्टाग्राम पर बनाए गए फर्जी अकाउंट से लगातार युवाओं को जोड़ कर उकसावे, कट्टरपंथी प्रचार और जिहादी विचारधारा का प्रसार किया जा रहा था।

हैंडलर भारतीय किशोरों को ग्रुप चैट में शामिल कर उनको कट्टरपंथी विचारधारा के लिए भड़का रहे थे। इसके अलावा उन्हें छत्तीसगढ़ में आईएसआईएस का मॉड्यूल खड़ा करने के लिए प्रेरित कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, पकड़े गए लड़कों में से एक के पिता केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह छत्तीसगढ़ में आईएसआईएस से जुड़ा पहला मामला है। मामले की जांच जारी है।

वनवासियों की आय बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : सीएम

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदभार ग्रहण कार्यक्रम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बुधवार को राजधानी रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष रूप साय सलाम और उपाध्यक्ष यज्ञदत्त शर्मा के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नए दायित्वों के लिए अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि, अध्यक्ष के रूप में सलाम को एक अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसे वे अपनी संवेदनशीलता, अनुभव और दक्षता के साथ उत्कृष्ट रूप से निभाएंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि श्री सलाम स्वयं जनजातीय समुदाय से आते हैं और समुदाय की समस्याओं, अपेक्षाओं एवं आवश्यकताओं को भली-भांति समझते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनवासियों की आय बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रदेश में निवासरत जनजातीय समाज के उत्थान को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। साथ ही केंद्र में अलग जनजातीय मंत्रालय की स्थापना से समुदाय के विकास को नई गति मिली। उन्होंने कहा कि हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी भावना और संकल्प को आगे बढ़ाते हुए 'धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना' तथा 'पीएम जनमन योजना' लागू की, जिनके माध्यम से जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहकों को देश में सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा है। वनोपजों के वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वनवासी समुदाय की आय में वृद्धि हो और उन्हें वास्तविक आर्थिक मजबूती प्राप्त हो। वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि, यह प्रदेश का सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ के मुखिया विष्णु देव साय स्वयं जनजातीय समुदाय से आते हैं और वनवासी भाई-बहनों की पीड़ा, कठिनाइयों और आकांक्षाओं को गहराई से समझते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की 32 प्रतिशत आबादी जनजातीय है तथा 44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, इसलिए वनोपज ही वनवासियों की आजीविका का प्रमुख स्रोत है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता को 'हरा सोना' कहा जाता है और उसके अनुरूप मूल्य देने का कार्य मुख्यमंत्री साय ने किया है। तेंदूपत्ता का प्रति मानक बोरा मूल्य 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है। वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने न केवल चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ किया है, बल्कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वनोपज संग्राहक परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रभावी कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने शक्ति स्थल पहुंच कर दी इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती पर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर नमन करते हुए उनके साहस, दूरदर्शिता तथा दृढ़ नेतृत्व को याद किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शक्ति स्थल पहुंचे। तीनों नेताओं ने इंदिरा गांधी के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि आजीवन संघर्ष, साहस और कुशल नेतृत्व की मिसाल इंदिरा गांधी को कोटि-कोटि नमन। राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए उनके दृढ़ नेतृत्व और दूरदर्शिता से उठाए गए कदमों ने भारत को विश्व स्तर पर अलग पहचान दिलाई। उनका जीवन और कर्म आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि मेरी दादी इंदिरा गांधी जी से मुझे यह सीख मिली कि भारत के लिए निडर होकर फैसले लेने हैं और हर परिस्थिति में देशहित को सर्वोपरि रखना है। उनका साहस और देशभक्ति आज भी मुझे अन्याय के खिलाफ डटकर खड़े होने का हौसला देती है।

मुख्यमंत्री ने की मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन की विकास कार्ययोजना की समीक्षा

परियोजना निर्धारित करते समय आय सृजन की संभावनाओं का भी रखें ध्यान: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के समग्र नगरीय विकास की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इन नगरों का विकास केवल सड़कों और इमारतों के निर्माण तक सीमित न हो, बल्कि उनका स्वरूप ऐसा बने जिसमें स्थानीय पहचान, इतिहास, संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं का संतुलन दिखे। उन्होंने निर्देश दिया कि योजनाएं चरणबद्ध ढंग से लागू हों, कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं और नागरिकों को इसका प्रत्यक्ष लाभ दिखे।

मुख्यमंत्री ने मेरठ में प्रस्तावित बिजली बम्बा बाईपास को लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर की तर्ज पर पीपीपी मोड में विकसित करने की संभावना तलाशने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री आवास पर बुधवार को आयोजित बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीनों मंडलों के मंडलायुक्तों ने बारी-बारी से अपनी कार्ययोजना से अवगत कराया। बताया गया कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज की तर्ज पर अब मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के लिए भी समेकित विकास मॉडल अपनाया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों से विमर्श और विभागों के बीच समन्वय के आधार पर इन शहरों में कुल 478 परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई है। इनमें मेरठ में 111, कानपुर में 109 और मथुरा-वृंदावन में 258 परियोजनाओं का विकास प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं को अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक श्रेणी में विभाजित कर स्पष्ट समयसीमा तय की गई है। बैठक में बताया गया कि पहले चरण की कार्ययोजना के रूप में वर्ष 2025-26 में मेरठ में 11, कानपुर में 13 और मथुरा-वृंदावन में 14 प्राथमिक परियोजनाओं पर कार्य किया जाए।

इन परियोजनाओं में यातायात सुधार, चौराहों का पुनर्विकास, मल्टीलेवल पार्किंग, हरित क्षेत्र, सड़क और पेवमेंट सुधार, बिजली लाइनों का भूमिगतकरण, जल प्रबंधन, पर्यटन सुविधाओं का उन्नयन और शहरी सौंदर्यीकरण जैसी जरूरतों को प्राथमिकता दी गई है।

बैठक में बताया गया कि मेरठ में यातायात सुगमता के लिए बिजली बम्बा बाईपास, लिंक रोड, हापुड़ अड्डा से गांधी आश्रम तक चौड़ीकरण, ईस्टर्न कचहरी रोड, सूरजकुंड चौराहा, क्रय्यम नगर पार्क, 19 प्रमुख चौराहों पर जंक्शन इम्प्रूवमेंट, संजय वन, शताब्दी नगर एसटीपी से मोहकमपुर औद्योगिक क्षेत्र तक जल पुनर्चक्रण व्यवस्था, स्मार्ट रोड और यूनिवर्सिटी रोड क्षेत्रीय पुनर्विकास जैसी परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। कानपुर के संबंध में बताया गया कि विकास का आधार "रूटेड इन लेगेसी, राइजिंग टू टुमॉरो" की अवधारणा होगी। मैनावती मार्ग चौड़ीकरण, मल्टीलेवल पार्किंग, मास्टर प्लान सड़कों का निर्माण, ग्रीन पार्क के आसपास शहरी डिजाइन सुधार, मकसूदाबाद सिटी फॉरेस्ट, बॉटनिकल गार्डन, वीआईपी रोड, रिवरफ्रंट लिंक, ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, मेट्रो विस्तार और ग्रेटर कानपुर के रूप में नए विस्तार क्षेत्र की दृष्टि इस योजना में शामिल हैं। मथुरा-वृंदावन के लिए प्रस्तुत मास्टर प्लान के तहत शहर को 'विजन-2030' के रूप में विकसित करने की रणनीति पर चर्चा हुई।

बैठक में बताया गया कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए स्ट्रीट फसाड डेवलपमेंट, मल्टीलेवल पार्किंग, बस पार्किंग, प्रवेश द्वारों का सौंदर्यीकरण, नए मार्गों का निर्माण, बरसाना-गोवर्धन-राधाकुंड कॉरिडोर सुधार, परिक्रमा मार्ग पर सुविधाएं और नगर प्रवेश से धार्मिक स्थलों तक संकेतक एवं प्रकाश व्यवस्था की योजना शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के लिए नवाचार, बेहतर प्रबंधन और वित्तीय संयोजन पर ध्यान दिया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर निजी क्षेत्र का सहयोग लेने और जहां संभव हो वहां पीपीपी मोड अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास का उद्देश्य ऐसा शहरी ढांचा तैयार करना है जो यातायात को सुगम बनाए, पैदल यात्रियों और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दे, हरे-भरे शहरों की दिशा में आगे बढ़े और स्थानीय पहचान को मजबूत करे। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के लिए यदि अतिरिक्त बजट की आवश्यकता होगी तो उसे उपलब्ध कराया जाएगा।

शराब तस्करों से सांठगांठ के आरोप में चौकी प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी निलंबित

बिहार की सीमा से सटे रेवती थाना क्षेत्र के गोपाल नगर पुलिस चौकी के पास सरयू नदी के रास्ते शराब तस्करी होने और शराब तस्कर व पुलिस चौकी प्रभारी की 'व्हाट्सऐप चैट' का स्क्रीनशॉट और वीडियो वायरल हुआ था।

बलिया। जिले के रेवती क्षेत्र में शराब तस्करों और पुलिस कर्मियों के बीच सांठगांठ जाहिर करती कथित 'व्हाट्सऐप चैट' का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस चौकी प्रभारी सहित चार पुलिस कर्मियों को बुधवार को निलंबित कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बुधवार को संवाददाताओं को बताया कि मंगलवार रात सोशल मीडिया पर कुछ 'स्क्रीनशॉट' और वीडियो वायरल हुए थे और इसे लेकर आरोप लगाया गया था कि रेवती थाना क्षेत्र के गोपाल नगर चौकी के प्रभारी शराब तस्करों से मिलीभगत करके उनसे रिश्वत मांग रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, बैरिया क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद फहीम कुरैशी को मामले को प्रारंभिक जांच के लिए मंगलवार रात सौंपा गया और उनकी रिपोर्ट बुधवार को प्राप्त हुई है। ओमवीर सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया प्रसारित चीजों में सत्यता प्रतीत हो रही है और इसको देखते हुए चौकी प्रभारी शुभेंद्र सिंह और आरक्षी अफसर अली, विकास कन्नौजिया और पवन वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पूरे प्रकरण में थाना प्रभारी की भूमिका की जांच अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी क्षेत्र) कृपा शंकर करेंगे। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को बिहार की सीमा से सटे रेवती थाना क्षेत्र के गोपाल नगर पुलिस चौकी के पास सरयू नदी के रास्ते शराब तस्करी होने और शराब तस्कर व पुलिस चौकी प्रभारी की 'व्हाट्सऐप चैट' का स्क्रीनशॉट और वीडियो वायरल हुआ था।

बिहार में शराब निरोधी कानून के बाद जिले के बैरिया, रेवती और दोकटी थाना क्षेत्र से अवैध शराब की तस्करी के मामले आते रहते हैं। एक मीडिया समूह ने अपने स्टिंग ऑपरेशन में अवैध शराब तस्करी का खुलासा किया था। आरोप है कि इसे लेकर मीडिया संस्थान के पत्रकार शुभम श्रीवास्तव पर शराब तस्करों ने हमला कर दिया था।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो लोगों की मौत

अमेठी। जिले कै गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के बासुपुर टॉवर के पास फूलचंद (22) पुत्र रामखेलावन और राजकुमार (42) पुत्र रामलाल, निवासी पूरे मिस्र का पुरवा मोटरसाइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि हादसे में फूलचंद की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय नागरिकों की मदद से नाजुक हालत में राजकुमार को जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। गौरीगंज कोतवाली प्रभारी श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर परिजनों की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

अज्ञात बदमाशों ने की दवा कारोबारी की गोली मारकर हत्या

चंदौली। जिले के मुगलसराय थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने एक दवा कारोबारी को गोली मार दी जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात गोली लगने से घायल हुए कारोबारी की बुधवार सुबह वाराणसी स्थित बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। मुगलसराय थाने के निरीक्षक चन्द्रेश शर्मा ने बताया कि मृतक रोहितास पाल उर्फ रोमी मुगलसराय थाना क्षेत्र के जीटी रोड स्थित स्टेशन गेट नंबर-2 के सामने मेडिकल स्टोर संचालित करते थे। शर्मा ने कहा कि पाल मंगलवार देर रात करीब 11 बजे अपनी दुकान बंद कर घर जाने की तैयारी कर रहे थे, इसी दौरान बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान सुबह उनकी मौत हो गयी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि रोहितास का करोड़ों रुपए मूल्य की जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्य आरक्षक की आग में झुलस कर दर्दनाक मौत

मेरठ। सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित शर्मा नगर में किराए के मकान में रह रहे मुख्य आरक्षक विभोर कुमार (36) की आग में झुलसकर दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि मंगलवार देर रात कमरे में लगी आग का कारण सिगरेट/बीड़ी की चिंगारी या मच्छर भगाने वाली 'कछुआ छाप' अगरबत्ती हो सकती है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार शामली के रहने वाले विभोर 2011 बैच में सिपाही के पद पर भर्ती हुए थे और वर्तमान में मेरठ पुलिस लाइन में तैनात थे। वह शर्मा नगर में एक मकान में किराए पर अकेले रहते थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विपिन ताडा ने बताया कि देर रात करीब 3:30 बजे मकान मालिक ने विभोर के कमरे से धुआं उठता देखा, तोर शोर मचाया, जिससे आसपास के लोग एकत्र हो गए। उन्होंने बताया कि इसके बाद मकान मालिक ने दरवाजा तोड़ा तो कमरे में बिस्तर पर विभोर का जला हुआ शव पड़ा मिला। इसके तुरंत बाद पुलिस और दमकल विभाग को इसकी सूचना दी गई। डायल 112 की टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ताडा ने कहा प्रारंभिक जांच में धूम्रपान के कारण आग लगने की बात सामने आई है, हालांकि अन्य संभावनाओं की भी पड़ताल की जा रही है। दूसरी ओर सिविल लाइन थाना पुलिस का कहना है कि कमरे में जली हुई 'कछुआ छाप' अगरबत्ती भी आग लगने का संभावित कारण हो सकती है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

नाबालिग लड़की से बलात्कार और हत्या के दोषी व्यक्ति को मौत की सजा

वाराणसी। वाराणसी की एक विशेष अदालत ने नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक संदीप कुमार जायसवाल ने बताया कि इरशाद को आठ साल की बच्ची के अपहरण, बलात्कार और उसकी हत्या का दोषी पाया गया है। उन्होंने बताया कि विशेष पॉक्सो (यौन अपराधों से बाल संरक्षण) अदालत के न्यायाधीश विनोद कुमार ने मंगलवार को यह सजा सुनाई। जायसवाल ने बताया कि 24 दिसंबर, 2024 को रामनगर थाना क्षेत्र में कुछ सामान लेने निकली एक लड़की का अपहरण कर लिया गया था। अगले दिन बहादुरपुर के एक प्राथमिक विद्यालय परिसर में उसका शव मिला था। जायसवाल के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि पीड़िता के साथ बलात्कार किया गया और फिर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस जांच में स्थानीय निवासी इरशाद की संलिप्तता का पता चला। पुलिस मुठभेड़ के बाद इरशाद को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें उसके पैर में गोली लगी थी। अदालत ने 18 नवंबर को अपना फैसला सुनाते हुए इरशाद के कृत्यों को अमानवीय और समाज के लिए बेहद हानिकारक बताया और उसे मौत की सजा सुनाई गई।

तीस गांवों में दहशत का पर्याय बना तेंदुआ 22 दिन बाद पिंजरे में हुआ कैद

सीतापुर। मिश्रिख वन रेंज में पिछले 22 दिनों से लोगों की रातों की नींद उड़ाने वाला तेंदुआ आखिरकार पिंजरे में कैद हो गया। गोंदलामऊ ब्लॉक के रामपुर खेवटा के जंगल में मंगलवार देर रात दो से तीन बजे के बीच वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में तेंदुआ फंस गया।

सुबह छह बजे ग्रामीणों ने पिंजरे में तेंदुआ बंद देख तुरंत वन विभाग को सूचना दी। देखते ही देखते सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और दहशत के अंत पर राहत की सांस ली। तेंदुए की दहशत की शुरुआत 29 अक्टूबर को दतवल गांव में घरों की छतों पर उसकी चहलकदमी नजर आने से हुई थी। इसके बाद गुजरेहटा, अशरफनगर सेढोली, रघुनाथपुर और रामपुर खेवटा सहित करीब 30 गांवों में उसकी मौजूदगी ने लोगों को घरों में कैद होने पर मजबूर कर दिया था। खेतों में पगचिह्न मिलने और कई बार ग्रामीणों से आमना-सामना होने से दहशत चरम पर पहुंच गई थी। तेंदुए की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग ने 6 नवंबर को रामपुर खेवटा के पास पिंजरा लगाया था। पिंजरे में बंधी बकरी को शिकार बनाने आए तेंदुए ने देर रात जैसे ही भीतर कदम रखा, ट्रैप लॉक हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को कब्जे में ले लिया।

वन प्रभारी अनिल यादव ने बताया कि सभी प्रक्रियाओं के बाद तेंदुए को उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार दुधवा नेशनल पार्क या किसी चिड़ियाघर में सुरक्षित स्थानांतरित किया जाएगा। 22 दिन से दहशत का पर्याय बना तेंदुआ पकड़े जाने के बाद इलाके में खुशी और सुकून दोनों लौट आया है।

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने जनसुनवाई में सुनी महिलाओं की पीड़ा

बांदा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अर्चना पटेल ने बुधवार को सर्किट हाउस सभागार में आयोजित महिला जनसुनवाई में काफी संख्या में पहुंची महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना। घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, बाल विवाह, बालश्रम और अन्य मामलों पर विस्तृत सुनवाई करते हुए उन्होंने संबंधित विभागों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान उन्होंने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों से जुड़े किसी भी मामले में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए लाभ पहुंचाने के निर्देश भी दिए। आर्थिक सहायता से जुड़े मामलों पर भी उन्होंने संबंधित विभागों को शीघ्र निस्तारण करने को कहा। ग्राम पचुल्ला की ललिता द्वारा सफाई कर्मी पर की गई अभद्रता की शिकायत पर उन्होंने एसएचओ कोतवाली देहात को तत्काल जांच कर कार्रवाई करने को कहा। बलखण्डीनाका निवासी शबीना के घर हुई चोरी के प्रकरण में भी उन्होंने कोतवाली पुलिस को तेजी से जांच कर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने तिन्दवारी में आयोजित जन चौपाल में भी महिलाओं की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सुश्री मेविस टॉक, महिला थानाध्यक्ष मोनी निषाद, जिला सूचना अधिकारी रामजी दुबे, जिला दिव्यांगजन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संभल में निकलने वाली हरिहर मंदिर परिक्रमा पदयात्रा हुई स्थगित

संभल। कैला देवी धाम के महंत ऋषि राज गिरी ने आज पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आज पदयात्रा को किसी ने रोका नहीं। हमको आश्वासन दिया गया कि मामला न्यायालय में चल रहा है। आप परकोटे की परिक्रमा न करके गर्भ गृह में जल चढ़ाएं ।उन्होंने कहा कि आज अपार समर्थन के लिए हिंदू समाज , जनता ओर मीडिया का बड़ा सहयोग रहा। हरिहर भगवान आप सबके मनोरथ पूर्ण करें। हमने पदयात्रा हरिहर मंदिर के प्रतीक स्वरूप में कैला देवी को मान कर पूरी ली। हमने उच्च अधिकारियों को एक साल का समय दिया है। सभी सनातनी हिंदुओं का जल हरिहरधाथ मंदिर में इस अवधि में चढ़ जाना चाहिए। ऐसा न होने पर अथवा इसमें कुछ हुआ तो संभल का ऐसा भी हो सकता है कि 19 नवंबर 2026 को 6 दिसंबर बनते देर नहीं लगेगी।

सरकारें वोटरों को प्रभावित करने के लिए कर रहीं सरकारी धन का उपयोग: मायावती

लखनऊ। बसपा की प्रमुख मायावती ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों पर बुधवार को आश्चर्य व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि सरकारें अब मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए सरकारी धन का इस्तेमाल कर रही हैं। बसपा द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रदेश में मतदाता सूची के चल रहे एसआईआर के दौरान सतर्क रहने का भी आग्रह किया।

मायावती ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के आश्चर्यजनक परिणामों से सबक लेने की जरूरत है। पहले, सत्तारूढ़ दल चुनावों को प्रभावित करने के लिए धनबल का इस्तेमाल करते थे, लेकिन अब सरकारें जनता के धन के जरिए जनमत को प्रभावित कर रही हैं। नतीजतन, चुनाव जीतने की चुनौती कई गुना बढ़ गई है।ह उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया पर ₹गंभीर रूप से ध्यानह देने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पात्र मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार से वंचित न रहे। बिहार में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय

जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 243 में से 202 सीटें जीतकर शानदार जीत हासिल की। 192 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली बसपा केवल एक सीट ही जीत पाई। मायावती ने महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार और झारखंड में पार्टी की संगठनात्मक स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने पार्टी के ढांचे को मजबूत करने और विभिन्न समुदायों में पार्टी का जनाधार बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने राज्य इकाइयों से कमियों को दूर करने और बी.आर. आंबेडकर और कांशीराम के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए नई प्रतिबद्धता के साथ काम करने का आग्रह किया। मायावती ने कहा कि आत्मसम्मान और समानता पर आधारित एक मजबूत आंदोलन जनहित और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी है। मायावती ने कहा कि केवल आंबेडकर की समानता और सामाजिक न्याय की विचारधारा ही स्थायी राहत प्रदान कर सकती है।

उन्होंने बहुजन समुदाय के हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष का आह्वान किया। उन्होंने पिछले नौ अक्टूबर को लखनऊ में कांशीराम की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में इन राज्यों से सैकड़ों पदाधिकारियों की भारी उपस्थिति की सराहना की और उनसे राज्य स्तर पर पार्टी को मजबूत करने में इसी तरह का समर्पण बनाए रखने का आग्रह किया। मायावती ने राज्य इकाइयों को छह दिसंबर को आंबेडकर की पुण्यतिथि को ₹मिशनरी भावनाह से मनाने का भी निर्देश दिया।

पुल की रेलिंग से टकराई कार, दो लोगों की मौत

कुशीनगर। जिले के अहिरौली बाजार क्षेत्र में बुधवार तड़के एक कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार कुशीनगर जिले के अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के सुबुधिया खुर्द के पास बुधवार तड़के लगभग चार बजे फोरलेन पर यह हादसा हुआ। पुलिस ने बताया कि एक कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकराई और यह टक्कर इतनी भीषण थी कि तेज आवाज हुई जिसे सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े व कार में सवार लोगों को बाहर निकाला। थानाध्यक्ष अहीरौली बाजार संजय दूबे ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवतहा पहुंचाया। दुबे ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र में अमन गौंड (24) पुत्र गब्बू गौंड व निलेश गौंड (25) पुत्र उदयभान गौंड निवासी सकरौली थाना कोतवाली हाटा को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल दिलीप जायसवाल (26) पुत्र रामअशीष जायसवाल, श्रवण साहनी (25) पुत्र गब्बूसाहनी व अंकित जायसवाल (23) पुत्र छड्डू जायसवाल निवासीगण सकरौली थाना कोतवाली हाटा को चिकित्सकों ने एम्स गोरखपुर रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले में जांच की जा रही है।

चौकी प्रभारी समेत 4 पुलिसकर्मी निलंबित

बलिया। रेवती क्षेत्र में शराब तस्करों और पुलिस कर्मियों के बीच सांठगांठ को लेकर पुलिस चौकी प्रभारी सहित चार पुलिस कर्मियों को बुधवार को निलंबित कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि मंगलवार रात सोशल मीडिया पर कुछ 'स्क्रीनशॉट' और वीडियो वायरल हुए थे और इसे लेकर आरोप लगाया गया था कि` गोपाल नगर चौकी के प्रभारी शराब तस्करों से मिलीभगत करके उनसे रिश्वत मांग रहे हैं। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, बैरिया क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद फहीम कुरैशी को मामले को प्रारंभिक जांच के लिए मंगलवार रात सौंपा गया और उनकी रिपोर्ट बुधवार को प्राप्त हुई है। ओमवीर सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया प्रसारित चीजों में सत्यता प्रतीत हो रही है और इसको देखते हुए चौकी प्रभारी शुभेंद्र सिंह और आरक्षी अफसर अली, विकास कन्नौजिया और पवन वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है।

अयोध्या में कलश यात्रा के साथ शुरू होगा ध्वजारोहण का अनुष्ठान

25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फहराएंगे केसरिया धर्म ध्वज

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में अयोध्या ध्वजारोहण समारोह के लिए पूरी तरह सज-धजकर तैयार हो रही है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि में भक्ति, उत्साह और उल्लास का ऐसा संगम दिखाई दे रहा है कि पूरा शहर 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा है। राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर 25 नवंबर को होने वाले ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह की तैयारियां अब चरम पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति इस पर्व को और भी ऐतिहासिक बनाएगी।

ध्वजारोहण समारोह का शुभारंभ मार्गशीर्ष अमावस्या के पावन अवसर पर 20 नवंबर को कलश यात्रा से होगा, जबकि समापन 25 नवंबर को विवाह पंचमी के शुभ मुहूर्त में होगा। प्रधानमंत्री मोदी स्वयं श्रीराम मंदिर शिखर पर केसरिया धर्म ध्वज फहराएंगे। देशभर की निगाहें इस क्षण का साक्षी बनने के लिए अयोध्या पर टिकी हुई हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल में डूब चुकी अयोध्या को आकर्षक रोशनी, फूलों की सजावट और भव्य रंगोलियों से सजाया गया है। हर ओर भक्तों की भीड़ और जयकारों का माहौल है। सुबह-शाम राम धुन

और मंत्रोच्चारण की गूंज से वातावरण और भी पावन हो उठा है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और एकता का भव्य प्रतीक बनने जा रहा है। देशभर के प्रमुख संतों, विद्वानों, राजनेताओं, समाजसेवियों और हजारों श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया गया है।

अतिथियों के सम्मान में मंदिर परिसर में रेड कारपेट बिछाया जाएगा। 20 नवंबर को होने वाली कलश यात्रा समारोह की आधिकारिक शुरुआत करेगी। पवित्र यात्रा में 250 से अधिक महिलाएं भाग लेंगी, जो कलश लेकर मंदिर परिसर में परिक्रमा करेंगी। काशी के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ द्वारा तय किए गए शुभ मुहूर्त में आयोजित यह यात्रा पूरे माहौल को भक्तिमय बना देगी।

जिलाधिकारी निखिल टीकाराम के अनुसार अयोध्या में सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए है। सीसीटीवी निगरानी, ड्रोन सर्विलांस, ट्रैफिक कंट्रोल और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम तैनात हैं। दक्षिण भारत के प्रतिष्ठित आचार्य और विद्वान अयोध्या पहुंच चुके हैं। वे 21 नवंबर से वैदिक अनुष्ठानों की शुरुआत करेंगे। इनमें शामिल होंगे वैदिक मंत्रोच्चारण, हवन, विशेष पूजन, राम-सीता विवाह की परंपराओं का जीवंत स्वरूप ये अनुष्ठान 25 नवंबर तक लगातार चलेंगे, जिनके माध्यम से राम विवाह उत्सव की दिव्यता को पुनर्जीवित किया जाएगा। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, 23 से 25 नवंबर तक विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी। इनमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, लोक नृत्य, भक्तिमय संगीतमय आयोजन होंगे। छह छोटे मंदिरों और सप्त मंदिरों की विशेष पूजा, इन कार्यक्रमों को देखने के लिए देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं में उत्साह चरम पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या पहुंचकर तैयारियों का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया।

उन्होंने साकेत महाविद्यालय परिसर स्थित हेलीपैड, राम मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। योगी सरकार ने ध्वजारोहण समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए अयोध्या में करोड़ों की विकास परियोजनाएं पूरी की हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट, अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन, चौड़ी व आधुनिक सड़कों का निर्माण, पार्किंग जोन और बैरिकेडिंग, आकर्षक लाइटिंग, सुरक्षा को लेकर अयोध्या में तीन स्तर की विशेष व्यवस्था लागू है। वीआईपी आगमन को देखते हुए पुलिस, पीएसी, एटीएस और खुफिया इकाइयां अलर्ट पर हैं।

समर डेफलिम्पिक्स: अभिनव, प्रांजलि ने एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

कुशाग्र सिंह राजावत को 50एम राइफल प्रोन में कांस्य पदक

टोक्यो। टोक्यो में जारी 25वें समर डेफलिम्पिक्स में भारतीय निशानेबाज़ों का शानदार प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा, जहां अभिनव देशवाल और प्रांजली प्रशांत धुमाल ने 10एम एयर पिस्टल मिश्रित टीम इवेंट में चीनी ताइपे के या-जू काओ और मिंग-जुई हसु को 16-6 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिन की दूसरी स्पर्धा में कुशाग्र सिंह राजावत ने 50एम राइफल प्रोन में कांस्य पदक जीता। इन पदकों के साथ भारत की शूटिंग में कुल पदक संख्या 11 हो गई है, जो अभी तक टोक्यो में भारत के जीते गए कुल पदक हैं।

अभिनव और प्रांजली ने स्वर्ण पदक मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और प्रतिद्वंद्वियों को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में दोनों ने डेफ वर्ल्ड और ओलंपिक रिकॉर्ड की बराबरी की थी, जिसे पिछले डेफलिम्पिक्स में इसी जोड़ी ने स्थापित किया था। भारतीय जोड़ी ने 569-20x का संयुक्त स्कोर किया, जिसमें अभिनव ने 287-12x (97, 95, 95) और प्रांजली ने 282-8x (95, 94, 93) स्कोर किया। दोनों निशानेबाज़ सोमवार को व्यक्तिगत वर्ग में भी रजत पदक जीत चुके हैं। भारत की दूसरी जोड़ी महिलाओं की व्यक्तिगत चैंपियन अनुया प्रसाद और रुदार विनोद कुमार क्वालिफिकेशन में 553-10x के संयुक्त स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रही। अनुया ने 280-5x (93, 91, 96) जबकि रुदार ने 273-5x (92, 90, 91) स्कोर किया। ईरान के महला सामीई और बिजान गफ़ारी ने यूक्रेन के सोफिया ओलेनिच और ओलेक्ज़ेंडर कोलोडी को हराकर कांस्य पदक जीता। 50एम राइफल प्रोन में कुशाग्र सिंह राजावत ने 224.3 के स्कोर के साथ कांस्य पदक पर कब्ज़ा जमाया।

यूक्रेन के दिमित्रो पेट्रेंको ने 251.0 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता और डेफ वर्ल्ड व ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ा, जबकि जर्मनी के कॉलिन म्यूएलर ने 245.4 के साथ रजत पदक जीता। महित संधू और नताशा जोशी कल महिलाओं की 50एम थ्री पोज़िशन्स इवेंट में हिस्सा लेंगी। महित पहले ही 10एम एयर राइफल मिश्रित टीम और व्यक्तिगत वर्ग में क्रमशः स्वर्ण और रजत जीत चुकी हैं।

रोहित शर्मा को पछाड़कर न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल दुनिया के नंबर एक एकदिवसीय बल्लेबाज बने

दुबई। भारत के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा कुछ समय तक शीर्ष पर रहने के बाद बुधवार को जारी आईसीसी की एकदिवसीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गए जबकि न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने शीर्ष स्थान हासिल किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार शतक की बदौलत मिचेल एकदिवसीय बल्लेबाजों की सूची में नंबर एक स्थान हासिल करने वाले न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने कैरेबियाई टीम के खिलाफ श्रृंखला के शुरुआती मैच में अपना सातवां एकदिवसीय शतक लगाया और यह फॉर्म में चल रहे इस दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए रोहित को पछाड़कर अपने करियर में पहली बार शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त साबित हुआ।

मिचेल के वर्तमान में 782 रेटिंग अंक हैं जो रोहित से एक अंक अधिक है। रोहित लगभग तीन हफ्ते तक शीर्ष पर रहे। मिचेल एकदिवसीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले न्यूज़ीलैंड के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड के दिग्गज ग्लेन टर्नर 1979 में शीर्ष पर थे। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान भी एक स्थान गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए। भारत के शुभमन गिल (चौथे), विराट कोहली (पांचवें) और श्रेयस अय्यर (आठवें) शीर्ष 10 बल्लेबाजों में शामिल हैं। श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के बाद कई पाकिस्तानी खिलाड़ियों को भी बड़ी सफलता मिली है। मोहम्मद रिजवान (पांच स्थान ऊपर 22वें स्थान पर) और फखर जमां (पांच स्थान ऊपर 26वें स्थान पर) की रैंकिंग में सुधार हुआ है। पाकिस्तान ने अपने एशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में 3-0 से शानदार जीत दर्ज की। टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिनर अबरार अहमद (11 स्थान के फायदे से नौवें स्थान पर) और तेज गेंदबाज हारिस राऊफ (पांच स्थान के फायदे से 23वें स्थान पर) को एकदिवसीय गेंदबाजों की रैंकिंग में फायदा हुआ है जिसमें अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान शीर्ष पर हैं।

लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय सहित 5 भारतीय खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में

सिडनी। लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय सहित पांच भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत करते हुए बुधवार को यहां 475,000 डॉलर इनामी आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने चीनी ताइपे के सु ली यांग को 21-17, 21-13 से हराया, जबकि इस प्रतियोगिता में 2023 के उपविजेता प्रणय ने खराब शुरुआत से उबरते हुए पहले दौर के मैच में दुनिया के 85वें नंबर के खिलाड़ी योहानेस सौत मार्सेलिनो को 57 मिनट में 6-21, 21-12, 21-17 से हराया। लक्ष्य का अगला मुकाबला ची यू जेन या वांग त्ज़ु वेई से होगा जबकि प्रणय इंडोनेशिया के आठवें वरीय अल्वी फरहान से भिड़ेंगे। विश्व के 32वें नंबर

के खिलाड़ी और इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिकी ओपन में अपना पहला सुपर 300 खिताब जीतने वाले आयुष शेट्टी ने कनाडा के सैम युआन को 33 मिनट में 21-11, 21-15 से पराजित किया। कर्नाटक के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी का सामना दूसरे दौर में जापान के चौथे वरीय कोडाई नाराओका से होगा। मकाऊ ओपन के सेमीफाइनलिस्ट थारुण मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसन को 66 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 17-21, 21-19 से हराया। राष्ट्रीय खेल 2023 के स्वर्ण पदक विजेता मन्नेपल्ली का अगला मुकाबला चीनी ताइपे के पांचवें वरीय लिन चुन-यी से होगा। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता अनुभवी किदांबी श्रीकांत भी 64 मिनट तक चले मुकाबले में चीनी ताइपे के ली चिया हाओ को 21-19, 19-21, 21-15 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। इस वर्ष के शुरू में मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे श्रीकांत का अगला मुकाबला जापान के शोगो ओगावा या एडवर्ड लाउ से होगा। इस बीच किरण जॉर्ज को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद जापान के छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से 21-11, 22-24, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। निशिमोतो ने पिछले सप्ताह जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन को हराया था। मोहित जगलान और लक्षिता जगलान की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को एक अन्य मैच में कनाडा के नाइल याकुरा और क्रिस्टल लाई ने 12-21, 16-21 से हराकर बाहर कर दिया।

गिल दूसरे टेस्ट के लिए गुवाहाटी जाएंगे: बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए गुवाहाटी जाएंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को यह जानकारी दी। कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन 26 वर्षीय गिल की गर्दन में अकड़न आ गई थी। वह पहली पारी में चार रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे और इसके बाद मैच में आगे नहीं खेल पाए थे। गिल को इस चोट के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

गिल की अनुपस्थिति में भारतीय टीम यह मैच 30 रन से हार गई थी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, ''शुभमन पर उपचार पर अच्छा असर हो रहा है और वह 19 नवंबर 2025 को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी करती रहेगी और दूसरे टेस्ट में उनकी भागीदारी पर फैसला उनकी प्रगति को देखकर लिया

जाएगा।'' गिल की दूसरे टेस्ट मैच में खेलने की संभावना बेहद कम होने के कारण ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को राजकोट में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चल रही भारत ए की श्रृंखला से वापस बुला दिया गया है।

वह सोमवार की शाम को कोलकाता में टीम से जुड़ गए थे लेकिन उन्होंने मंगलवार को वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया था। अगर गिल फिट नहीं हो पाते हैं तो उनकी जगह रेड्डी को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है।

ग्रेटबैच बने एनजेडसी के नए अध्यक्ष

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के पूर्व टेस्ट खिलाड़ी, कोच और चयनकर्ता मार्क ग्रेटबैच को न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) का नया अध्यक्ष चुना गया है। बोर्ड ने बुधवार को यह जानकारी दी। न्यूजीलैंड के लिए 41 टेस्ट और 84 एकदिवसीय मैच खेलने वाले ग्रेटबैच लेस्ली मर्डोक की जगह लेंगे जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है। बोर्ड की चेयरमैन डायना पुकेटापु-लिंडन ने एक बयान में कहा कि मैं पिछले तीन वर्षों में एनजेडसी अध्यक्ष के रूप में लेस्ली के पेशेवर रवैये और खेल के साथ-साथ संगठन के प्रति उनके अपार समर्थन के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहती हूं।

स्पेन, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड, स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रिया ने विश्व कप में जगह बनाई

ग्लासगो। स्कॉटलैंड ने डेनमार्क को हराकर 28 साल के इंतजार के बाद विश्व का फुटबॉल में अपनी जगह सुरक्षित की जबकि ऑस्ट्रिया भी 1998 के बाद पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहा।

स्पेन ने यूरोप में प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिताओं में 31 मैच तक अजेय रहने के इटली के रिकॉर्ड की बराबरी करके अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में अपनी जगह सुरक्षित की। मंगलवार को यूरोपीय क्वालीफाइंग समाप्त होने के साथ ही बेल्जियम और स्विट्जरलैंड ने भी विश्व कप 2026 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस तरह से यूरोप से 12 टीमों ने अपने ग्रुप में विजेता बनकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

स्कॉटलैंड ने ग्रुप सी में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे डेनमार्क को 4-2 से पराजित करके शीर्ष स्थान हासिल किया। डेनमार्क को ग्रुप सी का विजेता बनने के लिए इस मैच में केवल ड्रॉ की जरूरत थी। ऑस्ट्रिया ने बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर ग्रुप एच में शीर्ष स्थान हासिल करके 28 साल के इंतजार के बाद विश्व कप में वापसी की, जबकि बेल्जियम ने लिचटेंस्टाइन को 7-0 से हराया। स्विट्जरलैंड ने कोसोवो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया।

मिकेल ओयारज़ाबल ने 62वें मिनट में बराबरी का गोल दागा जिससे स्पेन ने घरेलू मैदान पर तुर्किए के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। इस तरह स्पेन का यूरोप में अजेय रहने का सिलसिला 31 मैचों तक पहुंच गया।

डेढ़ लाख की आबादी वाले देश कुराकाओ ने विश्व कप में जगह बनाकर रचा इतिहास

किंग्सटन, जमैका। कुराकाओ की जनसंख्या लगभग डेढ़ लाख है लेकिन इसके बावजूद उसने अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाकर नया इतिहास रच दिया। कुराकाओ ने जमैका के साथ गोलरहित ड्रॉ खेलकर पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। इस तरह से वह फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाने वाला सबसे कम आबादी वाला देश बन गया है। कुराकाओ के केंद्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार पिछली जनवरी तक देश की जनसंख्या 156,115 थी।

इससे पहले विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाने वाला सबसे कम आबादी वाला देश आइसलैंड था। उसने जब 2018 में रूस ने खेले गए विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था तब उसकी जनसंख्या लगभग 350,000 थी। कुराकाओ ने कॉनकाकाफ में शामिल देशों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया तथा 12 अंकों के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर रहा। कुराकाओ ने नीदरलैंड के रहने वाले अपने कोच डिक एडवोकाट की अनुपस्थिति के बावजूद यह ऐतिहासिक परिणाम हासिल किया। 78 वर्षीय एडवोकाट को पारिवारिक कारणों से पिछले सप्ताहांत नीदरलैंड लौटना पड़ा था।

एडवोकाट तीन बार नीदरलैंड की राष्ट्रीय टीम के कप्तान रहे तथा कुराकाओ में कार्यभार संभालने से पहले वह दक्षिण कोरिया, बेल्जियम और रूस के कोच रहे थे।

'टीआईए' मंच आयातकों, निर्यातकों, स्टार्टअप को नई जानकारियां मुहैया कराएगा: गोयल

व्यापार, प्रौद्योगिकी और निवेश पर उच्च स्तरीय वार्ता के लिए इजराइल जायेंगे पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इजराइल के अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के निमंत्रण पर 20-22 नवंबर तक इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। तेल अवीव की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान प्रस्तावित भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। गोयल के साथ सीआईआई, फिक्की, एसोचैम और स्टार्ट-अप इंडिया का एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक गोयल अपनी इस यात्रा के दौरान इजराइल के शीर्ष नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। वे अपने इजराइली समकक्ष, अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के अलावा वह कुछ अन्य मंत्रियों से भी बातचीत करेंगे। यह चर्चा व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने, कृषि, जल, रक्षा, उभरती प्रौद्योगिकियों, जीवन विज्ञान, बुनियादी ढांचे, उन्नत विनिर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने तथा स्टार्ट-अप सहित दोनों देशों के व्यवसायों के बीच बेहतर सहयोग के अवसरों की खोज पर केंद्रित रहने की उम्मीद है। मंत्रालय के मुताबिक पीयूष गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। वहां वे द्विपक्षीय व्यापार, निवेश एवं नवाचार को बढ़ावा देने के तरीकों पर नेताओं और व्यवसाय जगत के लोगों के साथ चर्चा करेंगे।

करता है। इसमें पीएलआई और महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित विनिर्माण क्षेत्रों के लिए स्वचालित व्यापार रिपोर्ट और व्यापार प्रवृत्तियों पर नजर रखना भी शामिल है। विभाग के आर्थिक सलाहकार वनलालराम सांगा ने कहा कि मंच को हितधारकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि उनके सुझावों के आधार पर इसे आगे और विकसित किया जाएगा। यह मंच एक केंद्रीकृत 'डिजिटल हब' के रूप में भी काम करेगा जो विविध व्यापार डेटाबेस को एक एकीकृत प्रणाली में समेकित करेगा।

सीतारमण की ने बैंकिंग,वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्र विशेषज्ञों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्र विशेषज्ञों के साथ सातवें बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की।

वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ सातवें बजट-पूर्व परामर्श इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) के सचिव, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार और वित्तीय सेवा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि आज राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बजट पूर्व बैठक में सहभागिता की। इस बैठक में बैंकिंग, वित्त और बीमा क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पंकज चौधरी के मुताबिक बैठक के दौरान आगामी बजट से संबंधित महत्वपूर्ण वित्तीय सुधारों, बैंकिंग, वित्त और बीमा क्षेत्र में संभावित अवसरों तथा सामने आने वाली चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि इस मंथन का सकारात्मक प्रभाव निश्चित रूप से बजट 2026 में परिलक्षित होगा।

ट्राई ने वित्तीय संस्थानों की सेवा संबंधी कॉल के लिए '1600' श्रृंखला को अपनाने की समयसीमा तय की

नई दिल्ली। ट्राई ने बुधवार को बैंकों, एनबीएफसी, म्यूचुअल फंड और अन्य विनियमित संस्थाओं के सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल करने के लिए विशेष '1600' नंबरिंग श्रृंखला को चरणबद्ध तरीके से अपनाने के लिए स्पष्ट समयसीमा निर्धारित की। यह कदम वॉयस कॉल के माध्यम से होने वाले वित्तीय धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए उठाया गया है।

ट्राई ने स्पष्ट समयसीमा निर्धारित करते हुए कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी क्षेत्र के बैंकों और विदेशी बैंकों सहित वाणिज्यिक बैंकों को एक जनवरी, 2026 तक इसे अपनाना होगा। दूरसंचार नियामक ने बयान में कहा, ''ट्राई ने आज एक निर्देश जारी किया है जिसमें आरबीआई ,सेबी और पीएफआरडीए द्वारा विनियमित संस्थाओं द्वारा '1600' नंबरिंग श्रृंखला को अपनाने की अंतिम तिथियां बताई गई हैं।'' भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने आगे कहा कि 1600 श्रृंखला को उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाने, स्पैम पर काबू पाने और वॉयस कॉल के जरिये होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए लाया गया है। गौरतलब है कि दूरसंचार विभाग ने बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र की इकाइयों और सरकारी संगठनों को '1600' नंबरिंग श्रृंखला आवंटित की है।

इसका मकसद उनकी सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल को अन्य वाणिज्यिक संचार से अलग करना है। ट्राई के अनुसार, सभी म्यूचुअल फंड और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) को इसे 15 फरवरी, 2026 तक अपनाना होगा। इसी तरह सभी पात्र स्टॉक ब्रोकर (क्यूएसबी) को 15 मार्च, 2026 तक इसे लागू करने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 513 अंक चढ़ा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 513 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी फिर 26,000 अंक के पार पहुंच गया। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उम्मीद बंधने के साथ आईटी शेयरों में लिवाली और घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 513.45 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85,186.47 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान, मानक सूचकांक एक समय 563.75 अंक तक चढ़ गया था। वहीं, पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 142.60 अंक यानी 0.55 प्रतिशत चढ़कर 26,052.65 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा और टाइटन प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी ओर, नुकसान में रहने वाले शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, मारुति, अदाणी पोर्ट्स और बजाज फाइनेंस शामिल हैं।

इस बीच, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर 'आप तभी अच्छी खबर सुनेंगे' जब यह समझौता निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित होगा।

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। इसके विपरीत, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट लाभ में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नुकसान में रहे थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 728.82 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

परिणीति चोपड़ा
ने दिखाई अपनी बेटे की पहली झलक

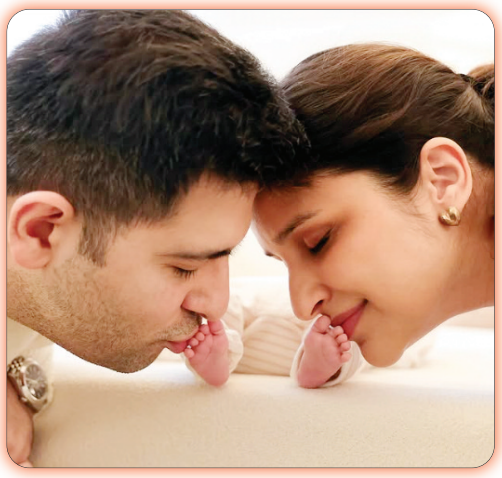

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा हाल ही में माता-पिता बने हैं। 19 अक्टूबर को परिणीति ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया था और अब कपल ने अपने नन्हे बेटे की पहली झलक दुनिया के साथ शेयर की है। प्रशंसक इस परिवारिक तस्वीर पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों में परिणीति और राघव अपने बेटे को बेहद प्यार से थामे नजर आ रहे हैं। दोनों ने पोस्ट के साथ लिखा, जलस्य रूपम, प्रेमस्य स्वरूपम... तत्र एव नीर। इसी के साथ उन्होंने अपने बेटे का नाम भी उजागर किया, 'नीर'। अभिनेत्री ने बताया कि नीर नाम का अर्थ है, शुद्ध, दिव्य और अनंत। उन्होंने लिखा कि उनके जीवन की इस नई 'अनंत बूंद' ने उनके दिलों को गहरी शांति और खुशी दी है। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने 2023 में शादी की थी। शादी के दो साल बाद दोनों ने माता-पिता बनने का सुख पाया है। अगस्त में परिणीति ने अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी और कुछ ही महीनों बाद अक्टूबर में नन्हे बेटे नीर का जन्म हुआ। कपल और उनके परिवारों में छोटे मेहमान के आने के बाद खुशी का माहौल है। वहीं, फैंस भी सोशल मीडिया पर बड़े उत्साह के साथ बधाइयां दे रहे हैं।

परिणीति और राघव की लव स्टोरी

परिणीति और राघव का सफर लंदन में शुरू हुआ, जहां दोनों एक ही अवॉर्ड इवेंट में पहुंचे थे। इस मुलाकात की वजह बना परिणीति का भाई, जो राघव का बड़ा फैन था और अपनी बहन को उनसे मिलवाने ले गया। पहली ही मुलाकात में दोनों के बीच सहज जुड़ाव बना और बातचीत ने दोस्ती का रूप ले लिया। राघव ने फिर मिलने की इच्छा जताई और धीरे-धीरे उनकी बॉन्डिंग गहरी होती चली गई। भारत लौटने के बाद परिणीति ने राघव के बारे में पता लगाया। पता चला कि राघव सिंगल हैं, तो उनके मन में तुरंत एक एहसास जागा कि शायद यही उनका साथी है। समय के साथ दोस्ती ने प्यार का रूप लिया और आखिरकार दोनों ने एक-दूसरे के साथ जिंदगी बिताने का फैसला कर लिया।

'तेरे इश्क में' 28 नवंबर को हिंदी, तमिल और तेलुगु में थिएटरों में दस्तक देगी

फिल्ममेकर आनंद एल राय अपने सिनेमा की भावनात्मक ईमानदारी, मानवीय रिश्तों की बारीकी और खुलकर बात करने वाले स्वभाव के लिए हमेशा सराहे गए हैं। धनुष और कृति सेनन स्टारर फिल्म 'तेरे इश्क में' 28 नवंबर को हिंदी, तमिल और तेलुगु में थिएटरों में दस्तक देगी। फिल्म रिलीज़ की तैयारी के बीच निर्देशक राय खुलकर बताते हैं कि किस तरह उनकी रचनात्मक सोच बदली है। सालों के सफर में आनंद राय के किरदारों और रिश्तों को देखने का तरीका विकसित हुआ है। वे स्वीकारते हैं कि समय के साथ उनके भीतर नए विचार जन्मे हैं। वह कहते हैं, ₹अगर मैं बदल रहा हूं, तो मुझे चाहिए कि मेरी ऑडियंस भी मेरे साथ बदले। मैं किसी पुरानी कहानी को नए नज़रिए से बताने से कभी नहीं डरूंगा। लंबे समय तक मैन वुमन रिलेशनशिप बराबरी से नहीं दिखाए गए, यह मेरी सीख है। शायद 'तनु वेड्स मनु' या 'रांझणा' के समय मैं इस तरह नहीं सोचता था, अब सोचता हूं।₹ आनंद राय बताते हैं कि कैसे सफलता की उम्मीदें कभी-कभी कहानी कहने की सरलता पर भारी पड़ जाती हैं। वे कहते हैं, जब मैं कहानी को लेकर निर्भीक था और सिर्फ उसे ईमानदारी से सुनाने का दबाव लेता था, तब मेरी दुनिया सही चल रही थी। लेकिन जब लगा कि लोग एक 'सक्सेसफुल डायरेक्टर' से ज़्यादा उम्मीदें लगाने लगे हैं, और मुझे बड़ा सोचना चाहिए, तभी मैं लड़खड़ाया। आनंद राय स्वीकारते हैं कि उन्हें बार-बार अपनी जड़ें याद दिलानी पड़ती हैं। वे कहते हैं, ₹जुड़े रहना बहुत ज़रूरी है। मेरी ज़मीन छूटती है तो मुझे उसे फिर पकड़ना पड़ता है। मैं अपने पेंटहाउस में चला जाता हूं, फिर खुद को याद दिलाता हूं, तू वही दिल्ली का लड़का है, तेरी आधी ज़िंदगी उन पीले घरों में गुज़री है। तेरी कहानियां वहीं हैं, तू सोच क्यों नहीं रहा? फिल्म की रिलीज़ नज़दीक आते-आते आनंद राय के ये विचार संकेत देते हैं कि वे अपने सबसे ईमानदार, संवेदनशील और ज़मीन से जुड़े फिल्ममेकिंग स्टाइल में लौट रहे हैं। उनकी बातों से साफ है कि 'तेरे इश्क में' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि उनकी कहानी कहने की नई समझ और पुरानी आत्मा का मिलन है।

निर्माता की कुर्सी पर बैठे पंकज त्रिपाठी, लेकर आ रहे जबरदस्त वेब सीरीज

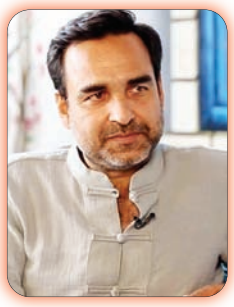

'मिर्जापुर' के कालीन भैया के रूप में दिल जीतने वाले पंकज त्रिपाठी अब अभिनय के साथ-साथ प्रोडक्शन के क्षेत्र में भी हाथ आजम रहे हैं। उनकी पहली बतौर निर्माता वेब सीरीज़ 'परफेक्ट फैमिली' है, जो एक अनोखे मॉडल के साथ 27 नवंबर को सीधे यूट्यूब पर रिलीज होने जा रही है। 8 एपिसोड की यह सीरीज़ पेड मॉडल पर उपलब्ध होगी, जिसे भारत में लंबे फॉर्मेट के कंटेंट की नई लॉन्चिंग रणनीति माना जा रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो पंकज पहली बार किसी प्रोजेक्ट का निर्माण कर रहे हैं। ऑन-स्क्रीन दमदार परफॉर्मेंस के बाद अब वह पर्दे के पीछे अपने हुनर को साबित करने के लिए तैयार हैं। 'परफेक्ट फैमिली' एक हल्की-फुल्की फैमिली ड्रामा सीरीज़ है, जिसे अजय राय और मोहित छब्बा ने क्रिएट किया है। यह यूट्यूब पर आम वीडियो की तरह मुफ्त नहीं चलेगी, बल्कि दर्शकों को इसे खरीदकर देखना होगा। भारतीय लॉन्ग फॉर्मेट कंटेंट की दुनिया में इसे एक दिलचस्प प्रयोग माना जा रहा है। जैसा कि आमिर खान की 'सितारे जमीन पर' सीधा यूट्यूब पर रिलीज हुई थी, 'परफेक्ट फैमिली' भी इसी तरह दर्शकों तक पहुंचेगी। शो के पहले दो एपिसोड बिल्कुल मुफ्त होंगे, इसके बाद बाकी एपिसोड देखने के लिए दर्शकों को 59 रुपये का भुगतान करना होगा। पंकज त्रिपाठी ने कहा, ₹ये तरीका साहसी और जरूरी₹ है। अपने नए सफर को लेकर पंकज त्रिपाठी बेहद उत्साहित हैं। उनका कहना है कि ₹'परफेक्ट फैमिली' मेरे लिए बहुत खास है। इसकी कहानी अच्छी है और इसके रिलीज का तरीका भी बिल्कुल नया और साहसी है।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

ऑस्ट्रेलियाः सड़क दुर्घटना में भारतीय मूल की गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की मौत

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में कार की चपेट में आने से भारतीय मूल की एक गर्भवती महिला की अपने अजन्मे बच्चे के साथ मौत हो गयी। आठ महीने की गर्भवती समन्विता धारेश्वर (33) तकनीकी विशेषज्ञ थी। पिछले शुक्रवार की रात को स्थानीय समयानुसार आठ बजे के कुछ देर बाद धारेश्वर अपने पति और तीन साल के बेटे के साथ सिडनी में जॉर्ज स्ट्रीट, हॉर्न्सबी पर सैर कर रही थीं तभी एक 'किआ' कार, उन्हें रास्ता देने के लिए एक कार पार्किंग के प्रवेश द्वार पर धीमी हो गई थी। पुलिस के हवाले से 7न्यूजडॉटकॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार, कुछ ही पल के बाद एक बीएमडब्ल्यू ने किआ को पीछे से टक्कर मारी, जिसके चलते वह (किआ) आगे बढ़ी और महिला को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि, धारेश्वर को घटना स्थल पर ही आपातकालीन सेवाओं द्वारा उपचार दिया गया। इसके बाद, उन्हें गंभीर हालत में वेस्टमीड अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ ही देर बाद उनकी और उनके गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। घटना में बीएमडब्ल्यू चालक (19) और किआ चालक(48) दोनों सुरक्षित हैं, तथा इनके अलावा इन वाहनों में कोई अन्य यात्री मौजूद नहीं था।

लेबनान में फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर इजराइल के हवाई हमले में 13 लोगों की मौत

सिडोन। दक्षिणी लेबनान में एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर मंगलवार को हुए इजराइली हवाई हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गयी जबकि कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों एवं सरकारी मीडिया ने इसकी जानकारी दी। एक साल पहले इजराइल-हिज्बुल्लाह के बीच हुए युद्धविराम के बाद से यह लेबनान पर सबसे घातक हमला था। सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने बताया कि ड्रोन हमले में तटीय शहर सिडोन के बाहरी इलाके में स्थित आइन अल-हिल्वेह शरणार्थी शिविर में एक मस्जिद की पार्किंग में खड़ी एक कार को निशाना बनाया गया। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बिना कोई और जानकारी दिए बताया कि हवाई हमले में 13 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए हैं। क्षेत्र में हमास लड़ाकों ने पत्रकारों को घटनास्थल पर पहुंचने से रोक दिया जबकि घायलों और मृतकों को निकालने के लिए एम्बुलेंस वहां पहुंच रही थी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने हमास के एक प्रशिक्षण परिसर पर हमला किया, जिसका इस्तेमाल इजराइल और उसकी सेना के खिलाफ हमले की तैयारी के लिए किया जा रहा था। उसने कहा कि इजराइली सेना हमास के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगी, चाहे वह समूह कहीं भी सक्रिय हो।

म्यांमार में ठगी के केंद्र बने साइबर कैफे, 346 विदेशी नागरिक गिरफ्तार

नेपीडॉ (म्यांमार)। म्यांमार की सेना ने थाई सीमा पर एक साइबर कैफे पर छापा मारकर 346 लोगों को गिरफ्तार किया है। सेना ने कहा कि युद्धग्रस्त म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में धोखाधड़ी के ऐसे केंद्र बड़े पैमाने पर फैले हुए हैं। इन केंद्रों में बैठे साइबर अपराधी दुनिया भर के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को निशाना बनाते हैं। किसी को रोमांस के जाल में फंसाते हैं। किसी को रकम दोगुना करने प्रलोभन देकर ठग रहे हैं। यह लोग प्रतिवर्ष अरबों डॉलर की ठगी कर रहे हैं।

बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार ने म्यांमार के सरकारी समाचार माध्यम 'द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार' की खबर के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमार की सैन्य सरकार पर लंबे समय से इस मामले में आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया जाता रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन के दबाव के बाद म्यांमार सरकार फरवरी से ऐसी कार्रवाई का ढिंढोरा पीट रही है। पिछले महीने से कार्रवाई में तेजी लाई गई है। द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार के अनुसार, म्यांमार की सेना ने कल सुबह जुआ और धोखाधड़ी के गढ़ श्वे कोक्को पर यह कार्रवाई की। इस अभियान के दौरान 346 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। इन सबके पास से लगभग 10 हजार मोबाइल फोन भी मिले हैं। अपराध विशेषज्ञों का कहना है कि 2021 में गृहयुद्ध छिड़ने के बाद से म्यांमार के सीमावर्ती इलाके साइबर अपराधियों के लिए उपजाऊ जमीन साबित हुए हैं। इनमें बहुत से लोग भोले-भाले होते हैं। उन्हें म्यांमार में नौकरी दिलाने का झांसा देकर दूसरे देशों से लाया जाता है।

इस नेटवर्क के बड़े हिस्से की कमान चीनी-कंबोडियाई रैकेटियर शी झिजियांग की यातार्इ फर्म के पास है। यह फर्म श्वे कोक्को क्षेत्र में सक्रिया है। 2022 में थाईलैंड में गिरफ्तार किए गए शी झिजियांग को पिछले हफ्ते चीन प्रत्यर्पित किया गया है। वहां उस पर ऑनलाइन जुआ और धोखाधड़ी के मामलों में शामिल होने के आरोप हैं। शी और उसकी कंपनी पर ब्रिटिन और अमेरिका प्रतिबंध भी लगा चुके हैं। श्वे कोक्को म्यांमार-थाई सीमा पर स्थित एक गांव है। आज यह गांव जुआ, नशीली दवाओं की तस्करी, वेश्यावृत्ति और ठगी का सबसे बड़ा केंद्र है। म्यांमार की सैन्य सरकार इस गांव की 600 से ज्यादा इमारतों को ध्वस्त करने में जुटी हुई है। अब तक 7,000 साइबर अपराध में संलग्न आरोपितों को उनके मूल देश वापस भेजा जा चुका है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में दक्षिण पूर्व और पूर्वी एशिया के लोगों को निशाना बनाकर उनसे 37 अरब डॉलर की ठगी की गई। इस बीच म्यांमार से 317 विदेशी नागरिकों को उनकी सरकारों को सौंपा गया है। द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार की रिपोर्ट के अनुसार, इनमें 269 भारतीय नागरिक, 31 लाओस के नागरिक, 16 वियतनामी नागरिक और एक दक्षिण कोरियाई नागरिक शामिल हैं। इन सभी ने म्यांमार में अवैध रूप से प्रवेश किया था और छुपते-छुपाते श्वे कोक्को गांव पहुंचे थे। इन सभी को म्यांमार-थाईलैंड मैत्री पुल द्वितीय के माध्यम से प्रत्यावर्तन कानूनी प्रक्रिया के अनुसार उनके मूल देश भेजा गया।

सीओपी30 ने बेलेम राजनीतिक पैकेज का मसौदा जारी किया
जलवायु परिवर्तन पर वार्ता अंतिम चरण में

बेलेम (ब्राजील)। संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन सीओपी-30 में बेलेम राजनीतिक पैकेज का मसौदा जारी होने के साथ अंतिम चरण की वार्ता की शुरुआत हो गई। यह पैकेज आने वाले वर्षों में वैश्विक जलवायु कार्रवाई की दिशा तय करने वाला माना जा रहा है। सीओपी30 के अध्यक्ष आंद्रे कोरिया डो लागो ने सभी देशों को लिखे पत्र में अपील की कि वे ''साथ-साथ, कार्य बल स्तर पर'' काम करें ताकि मसौदे को तेजी से और निष्पक्षता के साथ अंतिम रूप दिया जा सके। मसौदा दस्तावेजों को बुधवार को विचार-विमर्श के बाद अपनाए जाने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन के अंतर्गत होने वाले वार्षिक सीओपी30 में 190 से अधिक देशों के वार्ताकार भाग ले रहे हैं। सीओपी30 का आयोजन ब्राजील के अमेजन क्षेत्र के बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक हो रहा है। जारी मसौदे में जलवायु-संबंधी व्यापार प्रतिबंध, राष्ट्रीय रूप से निर्धारित योगदान (एनडीसी) पर संश्लेषण रिपोर्ट, 1.5 डिग्री सेल्सियस लक्ष्य और क्रियान्वयन अंतर, पेरिस समझौते के अनुच्छेद 9.1 और 13, अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य, वैश्विक स्टॉकटेक, हरित जलवायु कोष और वैश्विक पर्यावरण सुविधा जैसे मुद्दे शामिल हैं। एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि अध्यक्ष द्वारा जारी मसौदे पर सहमति बनाने के लिए तेजी से वार्ता चल रही है। मसौदे में जलवायु परिवर्तन को संपूर्ण मानवता की साझा चिंता बताते हुए देशों से मानवाधिकार दायित्वों का पालन करते हुए जलवायु कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की गई है। मसौदा उन 123 देशों की सराहना करता है जिन्होंने नयी एनडीसी प्रस्तुत की हैं और बाकी देशों से जल्द ऐसा करने का आग्रह करता है। भारत अभी अपनी संशोधित एनडीसी प्रस्तुत नहीं कर पाया है। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि भारत 2035 अवधि की एनडीसी दिसंबर तक जारी करेगा। एनडीसी पेरिस समझौते के तहत देशों की राष्ट्रीय जलवायु योजनाएं होती हैं, जिनमें उत्सर्जन घटाने और जलवायु प्रभावों के अनुरूप बनने के लक्ष्य शामिल होते हैं।

ट्रंप ने तीखे सवाल पूछने पर एबीसी न्यूज की रिपोर्टर को 'बेहद खराब' बताया, धमकी दी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को 'एबीसी न्यूज' की पत्रकार मैरी बूस पर निशाना साधते हुए उन्हें''बेहद खराब रिपोर्टर'' बताया और उनसे तीखे सवाल पूछे जाने के बाद समाचार संगठन के प्रसारण का लाइसेंस रद्द करने की धमकी दी। एबीसी न्यूज की व्हाइट हाउस के लिए मुख्य संवाददाता ओवल ऑफिस में उन पत्रकारों में शामिल थीं, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से सवाल पूछने की अनुमति थी। बूस ने ट्रंप से पूछा कि क्या राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उनके परिवार का सऊदी अरब में व्यापार करना उचित है। इससे पहले कि ट्रंप जवाब दे पाते, बूस ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से पूछा, ''अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला कि आपने एक पत्रकार की हत्या की साजिश रची। 9/11 पीड़ितों के परिजन आपके यहां आने से नाराज हैं। अमेरिकी आप पर क्यों भरोसा करें? और यही सवाल आपसे भी, राष्ट्रपति ट्रंप।'' इन सवालों के बाद ट्रंप ने एबीसी को ''फेक न्यूज'' बताया और सऊदी अरब में अपने परिवार के व्यावसायिक हितों का बचाव किया।

राष्ट्रपति ने अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि क्राउन प्रिंस का 2018 में पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में कुछ न कुछ हाथ था। बाद में ट्रंप ने बूस की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रिंस से ''बेहद खराब प्रश्न'' पूछा। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन पर एक सवाल पूछे जाने पर ट्रंप ने बूस से कहा, ''आप एक खराब रिपोर्टर हैं। आपके सवाल पूछने का तरीका गलत है।'' ट्रंप ने कहा, ''मुझे लगता है कि एबीसी का लाइसेंस रद्द कर देना चाहिए क्योंकि आपकी खबरें बहुत फर्जी और गलत हैं।'' बहरहाल, एबीसी न्यूज ने ट्रंप की इन टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

भूटान के पारो से नेपाल के पोखरा के लिए नियमित उड़ान शुरू

काठमांडू। पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बुधवार से भूटान के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू हो गई । यूनिवर्सल टूर्स एंड ट्रैवल्स ने इससे पहले 28 सितंबर से चार चार्टर उड़ानें संचालित करने की घोषणा की थी, लेकिन विभिन्न कारणों से उनका संचालन नहीं हो सका।। अब आज से आधिकारिक रूप से उड़ान का संचालन आरंभ किया गया है। पोखरा महानगरपालिका के मेयर धनराज आचार्य के अनुसार भूटान एयर द्वारा पोखरा–पारो (भूटान) सीधी उड़ान का औपचारिक शुभारंभ आज बुधवार सुबह पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से किया गया। भूटान एयर और उसके नेपाल स्थित प्रतिनिधि यूनिवर्सल टूर्स एंड ट्रैवल्स के निमंत्रण पर पहली उड़ान से थिम्पू पहुंचे। महानगर प्रमुख आचार्य ने बताया कि भूटान के पारो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से खाली लौटे विमान ने पोखरा से कुल नौ अतिथियों और क्रू सदस्यों को लेकर पारो में सुरक्षित लैंडिंग की है। उन्होंने कहा किआज कुछ तकनीकी कारणों से पूर्व निर्धारित टीम के साथ यात्रा संभव नहीं हो सकी, लेकिन जल्द ही नियमित उड़ान संचालन शुरू होने की उम्मीद है।

बांग्लादेश में हालात शांत, अवामी लीग के देशव्यापी प्रदर्शन के मद्देनजर सुरक्षा बल सतर्क

नयी दिल्ली/ढाका। बांग्लादेश में बुधवार को हालात शांत लेकिन तनावपूर्ण रहा। आवामी लीग ने पार्टी प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन का आह्वान किया है, जिसके मद्देनजर सुरक्षाबल राजधानी ढाका समेत प्रमुख शहरों में कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। ढाका और अन्य प्रमुख शहरों में यातायात और दैनिक गतिविधियां धीरे-धीरे सामान्य होती दिखीं और लगातार दूसरे दिन किसी तरह की हिंसा की कोई खबर नहीं मिली। आवामी लीग के बुधवार से शुरू होने वाले तीन दिवसीय देशव्यापी प्रदर्शनों के मद्देनजर ढाका में सशस्त्र पुलिस, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) और अर्धसैनिक बलों ने सरकारी इमारतों, पार्टी कार्यालयों और प्रमुख चौराहों पर गहन गश्त जारी रखी है। राजधानी के कई हिस्सों में सुरक्षा कड़ी की गई है, जहां नाकेबंदी और अवरोधक लगाकर आवाजाही को नियंत्रित किया जा रहा है। अवामी लीग ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर मंगलवार को पूर्ण बंद और 19 से 21 नवंबर तक ''देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन और प्रतिरोध'' का आह्वान किया था। पार्टी ने हसीना के खिलाफ आए फैसले को ''राजनीति से प्रेरित, दुर्भावनापूर्ण, प्रतिशोधी और बदले की कार्रवाई'' वाला बताया। बंगाली दैनिक अखबार 'प्रथम आलो' की खबर के अनुसार, गाजीपुर शहर में जुबो दल के एक नेता के स्वामित्व वाले एक गोदाम में लगी आग में माल नष्ट हो गया। बहरहाल, अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका कि आग दुर्घटनावश लगी या किसी साजिश का नतीजा थी। जुबो दल, खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का युवा संगठन है, जो हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग की अनुपस्थिति में प्रमुख राजनीतिक दावेदार बनकर उभरा है। इस बीच, स्थानीय अखबार 'युगान्तर' के अनुसार, सोमवार और मंगलवार को चलाए गए सुरक्षा अभियानों में 1,649 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि छापों के दौरान 10 हथियार, 30.5 किलोग्राम बारूद और कॉकटेल बम बरामद किए गए।